दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-25 Valid up to 31 dec. 2025

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-17 | झुंझुनू (राजस्थान) | रविवार, 7 दिसंबर, 2025 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'असली बदलाव तब शुरू होता है, जब हम शिकायतें छोड़कर अपने कर्मों की ज़िम्मेदारी लेना शुरू कर देते हैं। जो व्यक्ति स्वयं को सुधारने की क्षमता रखता है, वही दुनिया को बेहतर बनाने की ताकत रखता है।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

विधानसभा का बजट सत्र जनवरी अंत में, फरवरी में बजट

अभिभाषण के लिए सभी विभागों से उपलब्धियों का ब्योरा मांगा, जल्द मंत्रियों की कमेटी बनेगी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.जयपुर।

राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र जनवरी के आखिर में बुलाने की तैयारी है। राज्य का बजट फरवरी में आएगा, हालांकि तारीख बाद में तय की जाएगी। बजट सत्र की शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण के साथ होगी। सरकार के सभी विभागों ने बजट सत्र की तैयारियां शुरू कर दी हैं। कैबिनेट सचिवालय ने सभी विभागों से राज्यपाल के अभिभाषण में शामिल करने के लिए प्रमुख उपलब्धियों और कार्यों का ब्योरा मांगा है। पिछले कुछ सालों से बजट सत्र की शुरुआत जनवरी के अंत में होती है और बजट फरवरी

में पेश किया जाता है। कैबिनेट सचिवालय ने सभी विभागों को भेजे गए सर्कुलर में बजट सत्र जल्द शुरू होने का हवाला देते हुए 26 दिसंबर तक राज्यपाल के अभिभाषण में शामिल करने वाले 8 बिंदुओं पर ब्योरा भेजने को कहा है।

पहले आंकड़ों पर हो चुका है विवाद

अभिभाषण के आंकड़ों को लेकर पिछली कांग्रेस और बीजेपी सरकारों के वक्त कई बार विवाद हो चुके हैं। कैबिनेट सचिवालय ने राज्यपाल के अभिभाषण के लिए भेजे जाने वाले ब्यौरे में विकास योजनाओं में खर्च और दूसरे आंकड़े शब्दों में भी लिखकर भेजने के आदेश दिए हैं, ताकि गलती की गुंजाइश न रहे।

कैबिनेट सब कमेटी करेगी अभिभाषण को फाइनल

राज्यपाल के अभिभाषण को अंतिम रूप देने के लिए जल्द वरिष्ठ मंत्रियों की एक कैबिनेट सब कमेटी बनेगी। यह कैबिनेट सब कमेटी राज्यपाल के अभिभाषण में शामिल होने वाले प्रमुख बिंदुओं को फाइनल करेगी??।

बजट सत्र बुलाने के लिए सरकार भेजेगी राज्यपाल के पास प्रस्ताव

बजट सत्र बुलाने के लिए राज्य सरकार राज्यपाल के पास मंजूरी के लिए प्रस्ताव भेजेगी। राज्यपाल की मंजूरी के बाद विधानसभा का बजट सत्र बुलाने की अधिसूचना जारी होगी। विधानसभा सत्र बुलाने की तारीख राज्यपाल की मंजूरी से तय होगी।

बिना दहेज के पुत्र की शादी कर सेवानिवृत्त शिक्षक ने समाज में अनुकरणीय उदाहरण किया प्रस्तुत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

मावलियों की ढाणी निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक नथमल सैनी ने अपने पुत्र दिनेश की शादी लक्ष्मनगढ निवासी संपत सैनी की सुपुत्री पूनम के साथ बिना दहेज शादी करवा कर समाज में सामाजिक कुप्रथा के खिलाफ सकारात्मक संदेश दिया है। सेवानिवृत शिक्षक ने अपने पुत्र की शादी में किसी तरह का दहेज और बाटका नही लिया तथा एक रुपए नारियल लेकर शादी करवा कर समाज में सराहनीय व अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। इस अवसर पर महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ के पदाधिकारी सदस्यों सहित प्रबुद्ध जनों ने वर वधू को आशीर्वाद प्रदान किया।

सैनी समाज के जिलाध्यक्ष शंभूदयाल सैनी ने थोई में किया निर्माणाधीन महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास का निरीक्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय थोई श्रीमाधोपुर में पदस्थापित व्याख्याता अजीतगढ़ निवासी व सैनी समाज कर्मचारी एवं अधिकारी विकास संस्था राजस्थान नीमकाथाना के जिला अध्यक्ष शंभूदयाल सैनी शनिवार को यहां राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर सेठों की कोठी से बैरास जाने वाले रास्ते पर निर्माणाधीन महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास का अवलोकन करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने छात्रावास में संचालित निःशुल्क लाइब्रेरी, विधार्थियों की आवास व भोजन व्यवस्था, छात्रावास के निर्माण कार्य व योजना से रुबरु हुए तथा छात्रावास में रहने वाले विधार्थियों से संवाद किया। इस दौरान

छात्रावास की व्यवस्था से प्रभावित हुए तथा छात्रावास के विकास और निर्माण में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर छात्रावास निर्माण समिति के संयोजक सज्जन कुमार सैनी प्रवक्ता मनोज कुमार राकसिया भूमि प्रदाता विनोद कुमार गौड़ के नेतृत्व में समिति के पदाधिकारी सदस्यों व विधार्थियों ने मोतियों की माला पहनाकर व छात्रावास का प्रतिक चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया।

गोयनका महिला महाविद्यालय की छात्रा लक्ष्मी शेखावत ने जीता रजत पदक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

मोहिनी देवी गोयनका महिला महाविद्यालय की छात्रा लक्ष्मी कंवर शेखावत ने अंतर महाविद्यालय की 20 किलोमीटर दौड़ प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान पर रही है। उक्त प्रतियोगिता झुंझुनू के मोतीलाल कॉलेज में आयोजित की गई।एनसीसी कैडेट्स लक्ष्मी कंवर शेखावत को वनराज गर्ल्स बटालियन जयपुर से आर्टिफिशियल वाल क्लाइंबिंग के लिए सेकंड पोजीशन प्राप्त करने पर मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस ग्रुप से ऑल इंडिया लेवल पर 110 विधार्थी चयनित किए गए थे। इनमें से जयपुर ग्रुप से 10 लड़कियां और 15 लड़के चयनित हुए थे। एनसीसी में महाविद्यालय की छात्रा को ए ग्रेड प्रदान करके एवं मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

क्लाइंबर्स का जीवन कितना मुश्किलों भरा होता है, इसका प्रशिक्षण दिया गया। छात्रा ने गुफा में, पैरों और पीठ एवं हाथ के बल चलना सीखा। बड़ी- बड़ी चट्टानों पर भी क्लाइंबिंग करना सिखाया गया। स्टमक रेपलिग में पेट के बल पर रस्सी से नीचे उतरना और बड़ी-बड़ी चट्टानों को हाथों से और पैरों की ग्रिप बनाकर ऊपर चट्टान पर चढ़ना सिखाया गया। छात्रा ने बताया कि हमें पहाड़ों पर बहुत ही ऊंचाई पर चढ़ाया जाता था और अपर गोधरा डेप पर भी लेकर गए। यह ऐतिहासिक ब्रिटिश काल का डेप है, वहां से हमें सोहन सिंह की गुफा में लेकर गए जो बहुत ही सकडी थी, जिसमें हम अपने पेट के बल उसको पार कर सकते थे। फिर बाद में आर्टिफिशियल वॉल क्लाइंबिंग कंपटीशन शुरू हुआ जिसमें सेकंड पोजीशन प्राप्त की, सर्टिफिकेट के लिए प्रेक्टिकल और एग्जाम दोनों हुए, छात्रा ने ए ग्रेड प्राप्त की और आर्टिफिशियल वाल क्लाइंबिंग प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल प्राप्त किया। छात्रा की उपलब्धि पर समस्त महाविद्यालय परिवार और समस्त स्टाफ जनों ने शुभकामनाएं देकर उसके उज्जवल भविष्य की कामना की।

महापरिनिर्माण दिवस पर बाबा साहब को किया नमन

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

खेतड़ी नगर पालिका में स्थित मनोज घुमरिया कार्यालय में भारत रत्न, संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर का महापरिनिर्माण दिवस बाबा साहब को नमन करते हुए पुष्प अर्पित कर मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पार्षद हरमेंद्र चनानिया ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रोहिताश्व सैनी रहे। इस अवसर पर बाबा साहब को श्रद्धांजलि देते हुए कहा की संविधान की मूल आत्मा को जीवन का मानक बनाकर समतामूलक समरस समाज का संकल्प लें। इस अवसर पर पार्षद हरमेंद्र चनानिया, पार्षद गोकुल मेहरड़ा, रोहिताश्व सैनी, जुगल किशोर सैनी, हुकमीचंद पपुरना, पूर्व पार्षद ओमप्रकाश सैनी, मनोहर लाल सैन, गजानंद ठेकदार, विनोद सैनी, बना सिंह चौहान आदि मौजूद रहें।

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को दी भावभीनी श्रद्धांजलि: पिलानी में महापरिनिर्वाण दिवस मनाया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पिलानी।

शनिवार को आंगनवाड़ी केंद्र, 5 (1), वार्ड नं 06, पिलानी में संविधान निर्माता और भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर, बाबा साहेब की फोटो पर पुष्प माला पहनाकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यह कार्यक्रम विशेष रूप से शोषित, वंचितों एवं भारत की समस्त मातृ शक्तियों के भाग्य विधाता को नमन करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम की समस्त व्यवस्था वार्ड नं 06 के पार्षद विशाल नायक द्वारा की गई। कार्यक्रम में पार्षद विशाल नायक, आंगनवाड़ी

कार्यकर्ता संतोष नायक, चंदा देवी, पिंकी वर्मा, अंजना शर्मा, सहायिका मनीषा नायक, मंजू शर्मा, ललिता शर्मा, पूजा देवी उपस्थित रहीं। इनके अलावा, आशा सहयोगिनी संतोष सैनी, लक्ष्मी शर्मा, सुमन, प्रेम देवी, ए.एन.एम. अनु राधा, हाजरा बानो, यशमिता नायक, हृष्ट सैनी, माननया सैनी, पवन शर्मा, रेहान खान, पिंटू मेघवाल एवं वार्ड नं 06, पिलानी के सम्मानित सदस्यों ने भी बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मण्डावा में डॉ. अम्बेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मण्डावा।

संविधान निर्माता, भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस आज डॉ. अम्बेडकर भवन में आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य लोगों ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उनके जीवन तथा आदर्शों पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में मोज़ास सरपंच व मेघवाल समाज संघ अध्यक्ष मण्डावा मुकेश झाझड़िया ने अपने विचार व्यक्त किए। उनके साथ सुभाष सेवदा (प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान अम्बेडकर शिक्षक संघ), महेंद्र सी.आई., अजय

वर्मा नुआ (भीम आर्मी तहसील अध्यक्ष मण्डावा) आदि ने भी बाबा साहेब के योगदान पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे, जिनमें नथमल चोपड़ा (भीम आर्मी महासचिव शहर मण्डावा), जगदीश महरिया, पिंटू काला पटवारी, विनोद बगड़ी, अमित मीणा (अम्बेडकर सेवा समिति अध्यक्ष बाजीसर), विक्की महरिया, दिनेश काला, हरदयाल काला, परमेश्वरलाल, राकेश कुमार, विजय, नवीन नुआ और अभय शामिल थे। सभी उपस्थित लोगों ने बाबा साहेब के सपनों को साकार करने और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

अछोड़ा गांव में भव्य विज्ञान प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चित्तौड़गढ़।

बिरला कॉरपोरेशन लिमिटेड की सीएसआर गतिविधि के तहत अछोड़ा ग्राम में भव्य विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। बिरला कॉरपोरेशन की चंदेरिया इकाई के प्रमुख दीपक जसूजा के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में शिक्षा सारथी योजना से जुड़े बच्चों ने विज्ञान एवं तकनीक पर आधारित अपने

मॉडलों का शानदार प्रदर्शन किया। बिरला कॉरपोरेशन द्वारा क्षेत्र के चार सरकारी विद्यालयों में कक्षा छह से 10 के विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क सप्लीमेंट्री लर्निंग सेंटर संचालित किए जा रहे हैं। जिनसे 120 वंचित वर्ग के विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार एवं तकनीकी जिज्ञासा को बढ़ाना था। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने विभिन्न वैज्ञानिक सिद्धांतों और तकनीकी विषयों पर मॉडल बनाकर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी प्रमोद दाशोरा, जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र शर्मा, संकुल प्राचार्य, संबंधित विद्यालयों के शिक्षक तथा नागरी, सेमलपुरा और मानपुरा ग्राम पंचायतों के सरपंच उपस्थित रहे। अधिकारियों ने प्रदर्शनी की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों को और बड़े स्तर पर आयोजित किया जाना चाहिए। विभाग की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन भी दिया गया। विद्यार्थियों के माता-पिता, ग्रामीणजन सहित बड़ी संख्या में स्थानीय हितधारक बच्चों का उत्साहवर्धन करने पहुंचे। बिरला कॉरपोरेशन की ओर से पर्यावरण प्रमुख विनोद पालीवाल, सीएसआर टीम व बिरला माइंस अधिकारी तथा कार्यदायी संस्था पीईसीएसएस की प्रोजेक्ट टीम ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। विज्ञान प्रदर्शनी के माध्यम से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और आत्मविश्वास बढ़ाने की इस पहल की सभी अतिथियों ने प्रशंसा की।

गांव नांगल में बाबा साहब को याद किया

बाबा साहब अंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस, बाबा साहब सिंबल आफ नालेज थे

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । डा. बीआर अंबेडकर सेवा समिति की ओर से अटेली खंड के गांव नांगल में महापरिवानिर्वाण दिवस मनाया गया। गांव के पूर्व सरपंच धर्मेंद्र व समिति के अध्यक्ष विकास की ओर से आयोजित समारोह में गांव की चौपाल में बनी बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किये गये। इस मौके पर गांव के सरपंच धर्मेंद्र ने कहा कि बाबा ने विभिन्नता वाले देश को संविधान की किताब लिख कर एकता के सूत्र में पिरोया। वे सिंबल आफ नालेज तथा विश्व रत्न थे। भारत में उनको दलितों के मसीहा के रूप में उनके कद को छोटा किया गया है। भारत के संविधान के शिल्पकार के अलावा महान अर्थशास्त्री, समाज सुधार, नारी के मुक्तिदाता थे। आज उनको पूरी

दुनिया में याद किया जाता है। समिति क अध्यक्ष विकास सिंघानिया ने समारोह में आने वालों का अभिनंदन किया। इस मौके पर विकास सिंघानिया, मनीष, गिरीराज, सोनू विशेष रूप से मौजूद रहें। इसके अलावा गांव मिर्जापुर-बाछौद में बाबा सहाब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया गया। बसपा महासचिव कपिल बाछौदिया के नेतृत्व में हुए समारोह में बसपा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अशोक दास, जिला अध्यक्ष प्रमोद कटारिया, जीतू, लक्ष्मण, नवीनी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहें।

आवाम रक्त वॉरियर्स ग्रुप ने किया रक्तदान का पोस्टर विमोचन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर ब्लड डोनेशन कैंप एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाने वाले आवाम ग्रुप झुंझुनूं द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। आवाम ग्रुप के सदस्य इंद्राज सिंह भूरिया एवं जितेंद्र गर्वा ने बताया कि बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर अंबेडकर भवन में बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। महापरिनिर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में कल रविवार को सुबह 9:30 बजे अंबेडकर भवन के पास समाज कल्याण छात्रावास झुंझुनूं में विशाल रक्तदान शिविर एवं

श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा। रक्त संग्रहण का कार्य बीडीके ब्लड बैंक की टीम द्वारा किया जाएगा। पोस्टर विमोचन के दौरान इंद्राज सिंह भूरिया, जितेंद्र गर्वा, डॉक्टर महेंद्र सानेल, अजय वर्मा, संदीप टंडन,सीताराम बास बुडाना, हरीश मालसर, सुरेश गर्वा, गगन, अमन, जितेश,लीलाक्षी, विशाखा उपस्थित रहे।

भजनलाल को लोग सीरियस नहीं लेते: बेनीवाल

सीएम को पता नहीं सरकार कौन चला रहा; खुद मुख्यमंत्री को पांच बार धमकी मिल चुकी

भीम प्रज्ञा न्यूज

जोधपुर । नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा- मुख्यमंत्री भजनलाल को लोग सीरियस नहीं ले रहे। मैंने पहला मुख्यमंत्री देखा है, जिन्हें यह पता नहीं चल रहा कि सरकार कौन चला रहा है। भाजपा सरकार ने पेपर लीक और आरपीएससी जैसी भर्तियों से जुड़े मुद्दों को लेकर यू-टर्न लिया है। उन्होंने कहा- सरकार की कथनी और करनी में फर्क है। बीजेपी और कांग्रेस राजस्थान में एक जैसी ही है। मुख्यमंत्री से जुड़े लोग राज्य को लूटने में लगे हुए हैं। बेनीवाल ने यह बात शनिवार को जोधपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से कही। उन्होंने कहा- प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब है। खुद मुख्यमंत्री को पांच बार धमकी मिल चुकी है। राजस्थान में नशा और गैंगवार बढ़ रही है। पंजाब से भी ज्यादा नशा यहां होने लगा है। बेनीवाल ने कहा कि जोधपुर संभाग में इसके कई उदाहरण हैं।

गोपाल सिंह थालोड बने आंधी थानाधिकारी: जयपुर ग्रामीण एसपी ने जारी किए आदेश, चार पुलिस निरीक्षकों का तबादला

भीम प्रज्ञा न्यूज़.जयपुर।

जयपुर ग्रामीण में चार पुलिस निरीक्षकों का तबादला किया गया है। जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक (एसपी) राशि डोगरा डूडी ने क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से ये आदेश जारी किए। जारी आदेशों के

अनुसार रणधीर सिंह को रेनवाल मांझी से माधोराजपुरा स्थानांतरित किया गया है। कमलेश चौधरी को पुलिस लाइन से रेनवाल मांझी, गोपाल सिंह थालोड को पुलिस लाइन से आंधी और कमल सिंह को आंधी से अमरसर स्थानांतरित किया गया है।

जल-सुरक्षा में जनता की शक्तिः नया भारत, नई संस्कृति!

सोनम लववंशी

इस देश के इतिहास में कई योजनाएँ आईं, लेकिन कुछ ही ऐसी हुईं जिन्होंने सामाजिक संरचना को भीतर से बदला। जल जीवन मिशन, नमामि गंगे, जल शक्ति अभियान और सुजलम भारत विजन ये सभी मिलकर भारत को एक ऐसे रास्ते पर ले जा रहे हैं जहाँ पानी केवल सरकारी फाइलों का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना का हिस्सा बनता जा रहा है। भारत की जल यात्रा अभी पूरी नहीं हुई है; चुनौतियाँ हैं, कमी भी है।

नींव केवल ईंट-गारे से नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना, वैज्ञानिक दृष्टि और राजनीतिक संकल्प से बनती है, तभी वह भविष्य को वहन करने योग्य होती है। मोदी सरकार का सुजलम भारत विजन ऐसा ही एक राष्ट्रीय प्रयत्न है। जहाँ पानी का प्रवाह केवल पाइपों में नहीं, बल्कि नीतियों, प्राथमिकताओं और जनचेतना में बदलता दिखाई देता है। यह वह समय है जब भारत पानी को सिर्फ एक प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि सामाजिक सम्मान, स्वास्थ्य, समानता और समृद्धि की साझा धरोहर के रूप में देखना शुरू कर चुका है। भारत मंडपम में 2025 के सुजलम भारत शिखर सम्मेलन ने इस सोच को और स्पष्ट किया। देश जिस तीव्र गति से शहरीकरण, औद्योगिक विस्तार, भू-जल दोहन और जलवायु अनि ताओं से जूझ रहा है, वह केवल तकनीकी समाधान से नहीं सुलझ सकता। इसे सुलझाने के लिए समाज को, सरकार को और समुदायों को एक साझा भविष्य पर सहमत होना पड़ता है। यही कारण है कि यह शिखर सम्मेलन किसी औपचारिक सरकारी आयोजन की तरह नहीं, जल सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय संकल्प जैसा प्रतीत हुआ।

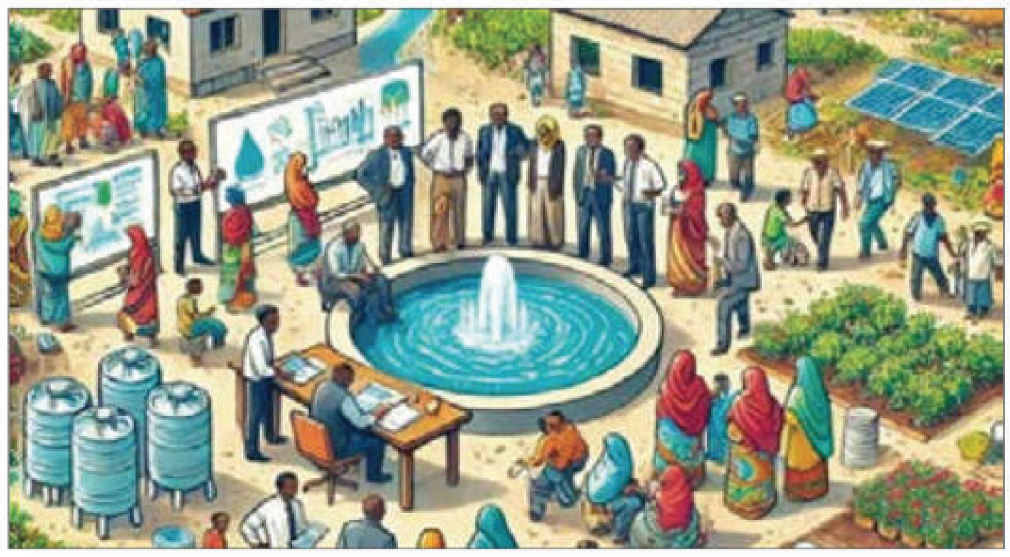

मोदी सरकार के इन प्रयासों की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि यह जल को विकास की धुरी से जोड़ता है, न कि महज भौतिक सुविधा के रूप में। उदाहरण के लिए, जल जीवन मिशन ने 2019 में जहाँ ग्रामीण घरों में मात्र 3.23 करोड़ परिवारों को ही नल-जल उपलब्ध था, वहीं 2025 तक यह संख्या बढ़कर 15 करोड़ से अधिक हो गया। यह परिवर्तन किसी एक प्रशासनिक आदेश से नहीं, लाखों किलोमीटर पाइप बिछाने, हजारों जलस्रोतों को पुनर्जीवित करने तथा समुदायों के साथ सक्रिय भागीदारी से संभव हुआ। आँकड़े सिर्फ उपलब्धि नहीं हैं। वे ग्रामीण जीवन की दिशा बदलने का प्रमाण हैं, लेकिन बात केवल संख्या की नहीं है। इस बदलाव का सामाजिक अर्थ कहीं अधिक व्यापक है। जब एक ग्रामीण परिवार के आँगन में नल से पानी बहता है, तो सबसे पहले मुक्त होती है महिला, जो दशकों से पानी लाने का बोझ ढोती रही। जल तक पहुंच, महिलाओं के समय, श्रम, सुरक्षा और अवसरों को दोगुना करती है। यह किसी कल्याणकारी योजना का हिस्सा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की दिशा में उठाया गया कदम है। बच्चे अधिक समय स्कूल में बिताते हैं, खेतों में फसल चक्रीकरण के नए अवसर खुलते हैं, परिवारों में स्वास्थ्य जोखिम कम होते हैं यानी पानी केवल सुविधा नहीं, परिवर्तन का इंजन है।

यही दृष्टि नमामि गंगे कार्यक्रम में भी दिखाई देती है। नदी मात्र जलधारा नहीं, एक पारिस्थितिक और सांस्कृतिक इकाई है। गंगा से लेकर देश की अन्य नदियों तक, यह सरकार पहली बार जल की गुणवत्ता, प्रदूषण नियंत्रण और नदी-आधारित विकास को एकीकृत करने का प्रयास कर रही है। यह सोच बताती है कि भारत अपने जल-संस्कृति को केवल पूजनीय परंपरा नहीं, बल्कि जीवंत पारिस्थितिकी के रूप में पुनर्स्थापित कर रहा है। जल शक्ति अभियान, कैच द रेन पहल और प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए चार आर रिड्यूस, रीयूज, रीसाईकल, रिचार्ज आधुनिक भारत के जल प्रबंधन का नया व्याकरण हैं। यह व्याकरण समाज के हर वर्ग को, हर औद्योगिक इकाई को और हर स्थानीय निकाय को यह याद दिलाता है कि पानी कोई शाश्वत संसाधन नहीं। यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी का दर्पण है। केवल कम उपयोग या पुनर्उपयोग से ही भविष्य सुरक्षित नहीं होगा; हमें जल को पुनर्भरण योग्य बनाना होगा, ताकि हर बूंद कल की तरफ एक निवेश हो सके।

सुजलम भारत विशन का सबसे गहरा संदेश यही है कि जल प्रबंधन किसी एक मंत्रालय की सीमित जिम्मेदारी नहीं। यह राष्ट्रीय चरित्र, सामाजिक दायित्व, स्थानीय ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का सम्मिलित परिणाम है। यही कारण है कि इस दृष्टि में जल संरक्षण तकनीक के साथ-साथ उन पारंपरिक भारतीय बुद्धियों को भी स्थान दिया गया है जिन्होंने सदियों तक जल का संतुलन बनाए रखा। आज जब विज्ञान सेंसर-आधारित वितरण प्रणाली, भू-जल मैपिंग, और ड्रोन सर्वेक्षण दे रहा है, वहीं समुदाय श्रमदान, परंपरागत जल संरचनाएँ और स्थानीय जल-ज्ञान जोड़कर एक स्थायी भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। मोदी सरकार जिस बेहतर कल की बात करती है, वह केवल नए जलस्रोतों या नई पाइपलाइनों पर आधारित नहीं है; वह नागरिकों के मन में जल के प्रति नई संवेदनशीलता और सामूहिक जिम्मेदारी के भाव पर आधारित है। बेहतर कल तब बनता है जब बच्चे अपने गाँव में जल उपलब्धता के कारण भविष्य की योजना बनाते हैं, किसान विविध फसलों का सपना देखता है, और महिलाएँ अपनी ऊर्जा को श्रमसाध्य यात्राओं के बजाय शिक्षा, उद्यम और परिवार के विकास में लगा पाती हैं।

इस देश के इतिहास में कई योजनाएँ आईं, लेकिन कुछ ही ऐसी हुईं जिन्होंने सामाजिक संरचना को भीतर से बदला। जल जीवन मिशन, नमामि गंगे, जल शक्ति अभियान और सुजलम भारत विजन ये सभी मिलकर भारत को एक ऐसे रास्ते पर ले जा रहे हैं जहाँ पानी केवल सरकारी फाइलों का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना का हिस्सा बनता जा रहा है। भारत की जल यात्रा अभी पूरी नहीं हुई है; चुनौतियाँ हैं, कमी भी है। लेकिन आज यह कहने का समय आ गया है कि भारत ने नींव रख दी है, एक ऐसे कल की जहाँ जल सुरक्षा सिर्फ लक्ष्य नहीं, जीवन का अधिकार होगी; जहाँ जल प्रबंधन सिर्फ नीति नहीं, संस्कृति होगी; और जहाँ सुजलम भारत सिर्फ कल्पना नहीं, एक निर्मित वास्तविकता होगी और यही वह परिवर्तन है जो हम सबको सोचने, ठहरने और दिशा बदलने पर मजबूर करता है क्योंकि पानी का प्रश्न, अब केवल पानी का प्रश्न नहीं रहा; यह हमारे भविष्य का प्रश्न है।

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

अज्ञानता का उपचार संभव है, मूर्खता का नहीं – समाज को आईना दिखाती कड़वी सच्चाई

अज्ञानता और मूर्खता–ये दो शब्द अक्सर एक जैसे प्रतीत होते हैं, लेकिन जीवन और समाज की सबसे बड़ी उलझनें इन्हीं दोनों के बीच फर्क न समझ पाने से खड़ी होती हैं। अज्ञानता एक खाली पात्र है, जिसे ज्ञान, अनुभव और सीख के जल से भरा जा सकता है। लेकिन मूर्खता वह पात्र है, जो छलका भी हो तो भी उसमें सड़े हुए पूर्वाग्रह, अहंकार और तर्कहीनता की गंध ही आती है। अज्ञानी व्यक्ति सीखने को उत्सुक हो सकता है, उसे रास्ता दिखाया जाए तो वह चलने को तैयार होता है। लेकिन मूर्ख व्यक्ति अपनी ही धारणाओं का कैदी होता है–जैसे किसी कुएं के मेंढक की दुनिया उसी कुएं तक सीमित होती है; बाहर का समुद्र उसके लिए अस्तित्व ही नहीं रखता। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

समाज में सबसे बड़ी समस्या यह नहीं कि लोग अज्ञानी हैं, बल्कि यह है कि कुछ लोग अपनी मूर्खता को ज्ञान समझकर सर्वज्ञ बनने का भ्रम पाल लेते हैं। ऐसे लोग हर मुद्दे पर राय रखते हैं, हर व्यक्ति पर टिप्पणी करते हैं, हर काम में खोट निकालते हैं, लेकिन आत्मचिंतन की दिशा में एक कदम भी नहीं बढ़ाते। यही वे लोग हैं जो अपनों के खिलाफ साजिशें रचते हैं और गैरों की चापलूसी करते हुए स्वयं को बुद्धिमान मानते रहते हैं। इतिहास गवाह है कि राष्ट्रों के पतन में अज्ञानता से ज्यादा योगदान मूर्खता का रहा है–क्योंकि अज्ञानता को मिटाने का प्रयास किया जा सकता है, पर मूर्खता अपनी जिद में अडिग रहती है। अज्ञानता एक हालत है–पर मूर्खता एक आदत। अज्ञानी व्यक्ति से संवाद संभव है, मूर्ख व्यक्ति से नहीं। अज्ञानी के पास सवाल होते हैं, मूर्ख के पास केवल कटाक्ष। अज्ञानी सीखने को आतुर होता है, मूर्ख केवल आलोचना में विश्वास रखता है। यही कारण है कि समाज में ऐसे लोग दूसरों की कमियों को ढूंढने में ही जीवन का सार समझते हैं। वे समझते नहीं कि दूसरों की आलोचना करके कोई व्यक्ति महान नहीं बनता; महान तो वही है, जो अपनी कमियों को पहचानकर स्वयं को सुधार लेता है। अज्ञानता और मूर्खता का अंतर यही है कि अज्ञानी व्यक्ति स्वीकार करता है कि उसे कुछ नहीं पता। यही स्वीकृति उसे सीखने का अवसर देती है। जबकि मूर्ख व्यक्ति स्वयं को सर्वज्ञ समझते हुए नई जानकारी को अस्वीकार कर देता है। यही कारण है कि अज्ञानता को शिक्षा से दूर किया जा सकता है, पर मूर्खता को कोई शिक्षा नहीं छुड़ा सकती। शिक्षा का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि विवेक का विकास करना है। जब शिक्षा मनुष्य को ज्ञान के साथ-साथ प्रश्न पूछने का साहस और तर्क करने की योग्यता दे, तभी समाज मूर्खता से मुक्त हो सकता है।

आज सोशल मीडिया के दौर में मूर्खता बिजली की गति से फैलती है, क्योंकि मूर्ख व्यक्ति को ज्ञान नहीं चाहिए–उसे सिर्फ़ पुष्टि चाहिए कि उसकी सोच ही अंतिम सत्य है। ऐसे लोग गलत सूचनाओं को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ाते हैं, और अपनी ही भ्रांतियों के दर्पण में स्वयं को विद्वान समझते रहते हैं। अज्ञानी व्यक्ति यदि गलत सूचना पढ़ लेता है तो शायद भ्रमित हो जाए, लेकिन मूर्ख व्यक्ति उसे धर्मग्रंथ की तरह पवित्र मानकर दूसरों पर थोपना शुरू कर देता है। यही कारण है कि दुनिया में आज गलत सूचनाओं के विस्तार में मूर्खता का योगदान सबसे बड़ा है। समाज का भविष्य अज्ञानता मिटाने से बेहतर होगा, लेकिन मूर्खता घटाने से उज्ज्वल होगा। इसके लिए आवश्यक है कि हम आलोचना की बीमारी का इलाज करें, निंदा के शौक को सीमित करें और विवेक को जीवन का मूल मंत्र बनाएं। यह समझना जरूरी है कि आलोचना तभी सार्थक होती है जब वह समाधान की ओर ले जाए। कटाक्ष और उपहास केवल मनुष्य को विभाजित करते हैं, सुधार नहीं करते। आज जरूरत इस बात की है कि हम ज्ञान को ज्ञान की तरह और विवेक को विवेक की तरह समझें। ज्ञान हमें जानकारी देगा, लेकिन विवेक हमें दिशा देगा। ज्ञान हमें रास्ता दिखाएगा, लेकिन विवेक हमें सही रास्ता चुनने की क्षमता देगा। वही समाज प्रगतिशील होता है, जहाँ अज्ञानता को शिक्षित करके और मूर्खता को संयमित करके तर्कपूर्ण वातावरण बनाया जाए। अंत में, यह याद रखना चाहिए कि अज्ञानता कोई अपराध नहीं; मूर्खता ही अपराध है–क्योंकि मूर्ख व्यक्ति केवल स्वयं को ही नुकसान नहीं पहुँचाता, वह पूरे समाज को पीछे धकेल देता है। जो लोग दूसरों की आलोचना में ही अपनी ऊर्जा खर्च करते हैं, वे अपने जीवन के लक्ष्य कभी नहीं बना पाते।

इसलिए यह आज का सबसे गूढ़ और सटीक सत्य है– 'अज्ञानता को शिक्षा मिटा सकती है, पर मूर्खता को केवल विवेक ही रोक सकता है। और विवेक वहीं पनपता है, जहाँ मनुष्य अपनी आलोचना से पहले अपने आत्ममंथन को महत्व देता है।'

सशस्त्र बल झंडा दिवस राष्ट्र का सम्मान और कृतज्ञता

कांतिलाल मांडोत

सात दिसम्बर का दिन भारत के लिए केवल एक औपचारिकता भर नहीं बल्कि कृतज्ञता का ज्वार है। यह वह अवसर है जब पूरा राष्ट्र अपने उन वीरों को याद करता है जिनकी बदौलत हम अपनी धरती पर सुरक्षित और स्वतंत्र सांस ले पाते हैं। सशस्त्र बल झंडा दिवस देश के शौर्य, समर्पण और पराक्रम की स्मृति को सहेजने का दिन है। यह हमारे राष्ट्रीय चरित्र का वह उजला पहलू है जो बताता है कि भारत अपने सिपाहियों के प्रति सम्मान, संवेदनशीलता और आभार प्रकट करने में कभी पीछे नहीं हटता।

झंडा दिवस का इतिहास भले ही 1949 में सरकार द्वारा लिए गए निर्णय से शुरू हुआ हो, पर इसकी भावना अनादिकाल से भारतीय समाज में जीवित रही है। यह भावना हर उस परिवार के साथ खड़ी रहती है जिसका कोई सदस्य सीमा पर राष्ट्र की रक्षा में तैनात है। भारत के जवान जब बर्फीली चोटियों पर, मरुस्थल की तपती रेत में, समुद्र की गहराइयों में या आसमान की ऊंचाइयों पर डटे रहते हैं, तब 7 दिसम्बर का यह दिन उनकी ताकत बनकर सामने आता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि सैनिक केवल बॉर्डर पर नहीं लड़ता, बल्कि उसका परिवार भी हर दिन त्याग और धैर्य का दायित्व निभाता है।

सरकार इस दिन के आयोजन को केवल औपचारिकता नहीं मानती, बल्कि इसे एक ऐसी राष्ट्रीय जिम्मेदारी समझती है जो सैनिकों के प्रति उसके संकल्प को मजबूती देती है। झंडा दिवस के माध्यम से जो निधि एकत्र की जाती है, उसका उपयोग घायल सैनिकों के उपचार, पुनर्वास, विकलांग सैनिकों की सहायता, वीर नारियों की आर्थिक सुरक्षा और शहीदों के बच्चों की शिक्षा के लिए किया जाता है। यह सहायता केवल आर्थिक नहीं बल्कि भावनात्मक भी होती है। इससे जवानों को यह भरोसा मिलता है कि उनकी कुबार्नी देश कभी नहीं भूलता और उनका परिवार राष्ट्र की सामूहिक जिम्मेदारी है।

आज के समय में जब सुरक्षा की चुनौतियां बहुआयामी हो चुकी हैं, तब झंडा दिवस का महत्व और बढ़ जाता है। यह वह क्षण है जब सरकार और जनता दोनों एकजुट होकर सेना के साथ खड़े होते हैं। सरकार जवानों की आवश्यकताओं को समझते हुए आधुनिक हथियारों, उन्नत तकनीकों और बेहतर सुविधाओं की व्यवस्था करती है, वहीं समाज इस दिन के माध्यम से यह दिखाता है कि वह केवल सुरक्षा का लाभ नहीं उठाता बल्कि उसकी कीमत को भी समझता है। झंडा दिवस का संदेश यही है कि देश की सुरक्षा केवल फौजी चौकियों से नहीं बल्कि नागरिकों की भावनाओं, समर्थन और सहभागिता से भी मजबूत होती है।

सेना के तीनों अंग इस दिन देशवासियों तक पहुंचते हैं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों और जनसंपर्क अभियानों के माध्यम से लोगों को अपने कार्यों और चुनौतियों से अवगत कराते हैं। यह केवल फौजी ताकत का प्रदर्शन नहीं होता बल्कि यह जनता और सेना के बीच भावनात्मक पुल को और मजबूत बनाता है। स्कूलों में, दफ्तरों में और सार्वजनिक स्थलों पर जो छोटे-छोटे झंडे लगाए जाते हैं, वे केवल प्रतीक भर नहीं, बल्कि अपने जवानों के प्रति सर्वोच्च सम्मान की अभिव्यक्ति हैं।

झंडा दिवस समाज में सेवा और सहयोग की संस्कृति को भी बढ़ावा देता है। यह हमें याद दिलाता है कि राष्ट्रनिर्माण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं बल्कि नागरिकों की भी समान भूमिका है। जब हम झंडा दिवस को मनाते हैं, तब हम उस मूल भावना को स्वीकार करते हैं कि देश पहले है और उसके रक्षक सर्वोपरि हैं। उनकी हर जरूरत, हर तकलीफ और हर संघर्ष हमसे जुड़ा है। सैनिकों के लिए एकत्र किया गया धन उस विश्वास का संबल है कि जब जवान हमारी सुरक्षा के लिए खड़ा है, तो हम उसके परिवार की सुरक्षा के लिए खड़े हैं।

इस दिन सरकार जवानों के प्रति अपने बदलते दृष्टिकोण को भी रेखांकित करती है। आधुनिक युद्ध तकनीक, स्मार्ट बोर्डर मैनेजमेंट और सैनिक कल्याण के नए मॉडल यह दशार्ते हैं कि भारत केवल सैन्य शक्ति में ही नहीं बल्कि मानवीय संवेदनाओं में भी मजबूत राष्ट्र बन रहा है। सैनिकों के लिए आवास, स्वास्थ्य सुविधाएं, कैरियर उन्नति और उनकी गरिमा सुनि त करने के लिए नई नीतियां यह स्पष्ट संदेश देती हैं कि देश अपने सैनिक को केवल रक्षा का साधन नहीं बल्कि राष्ट्रीय गौरव का स्तंभ मानता है। साथ ही समाज में भी यह जागरूकता बढ़ रही है कि सेना के साथ खड़ा होना केवल देशभक्ति नहीं, बल्कि राष्ट्रीय कर्तव्य है।

सशस्त्र बल झंडा दिवस इसीलिए विशेष है क्योंकि यह हमें राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारियों का स्मरण कराता है। यह बताता है कि कृतज्ञता केवल शब्दों से नहीं, बल्कि कार्रवाई से व्यक्त होती है। यह दिन उस भावना का उत्सव है कि सैनिक और नागरिक के बीच कोई दूरी नहीं, दोनों मिलकर ही देश की सुरक्षा की दीवार बनाते हैं।

भारत जब झंडा दिवस पर अपने वीरों के प्रति सम्मान व्यक्त करता है, तो यह केवल एक समारोह नहीं होता, बल्कि एक संकल्प होता है। यह संकल्प है कि हम अपने सैनिकों के साथ हर परिस्थिति में खड़े रहेंगे, उनकी कुबार्नी को हर दिन याद करेंगे और उनके परिवारों की मुस्कान को सुरक्षित रखने में कोई कमी नहीं छोड़ेंगे। झंडा दिवस राष्ट्र की आत्मा में बसे उस गौरव का प्रतीक है जो हमारे त्रिवर्ण की तरह शाश्वत और अटल है।

बिहार में चल रहे बुलडोजर पर सियासत गर्म

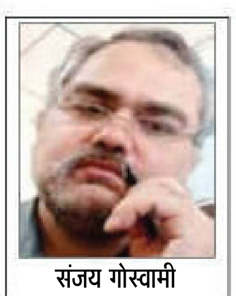
संजय गोस्वामी

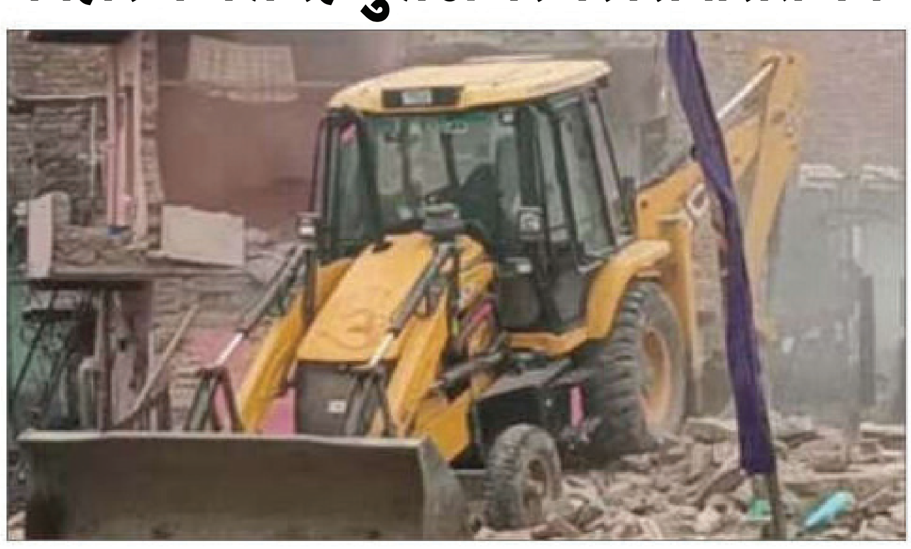

बिहार में लगातार चल रहे बुलडोजर से गरीब लोगों के रोजी रोजगार पर असर पड़ रहा है जो ठंड में भटक रहे हैं ऐसे कुछ वीडियो देखने को मिल रहे हैं अतिक्रमण ठीक नहीं है लेकिन दूसरा पक्ष भी जानना चाहिए ठीक है अभी 5 साल तक कुछ नहीं होगा लेकिन गरीबों की हाय लगती है ऐ अतिक्रमण तो पहले से था उस समय बहुत पहले ऐसा किया गया था 1984-85में भी रोड चौला के समय रोड के दोनों तरफ उस वक़्त के सरकार ने बुलडोजर चलाये थे बाद में सरकार जनता या राजनीती दबाव में पीछे हटी थी बिहार में बुलडोजर पहले भी चला लेकिन रोड के सामने से बाद में अल्पसंख्यक जब इसकी जद में आये तो बन्द हो गया था अभी अगर बीजेपी को पि म बंगाल में जीत हासिल करनी है तो सब्र से काम लेना पड़ेगा क्योंकि ममता बनर्जी को एक मुद्दा मिल गया और वहाँ भी रोड के किनारे बहुत सी दुकाने चलती है और जो रोड पर दुकान चलती है वो सभी को मालूम है की अवैध है और उसकी बसूली भी होती है बिहार में तो गरीबी है और जगह जगह पर रोड के ही नहीं प्लेटफॉर्म के पास तक मीठापुर में सब्जियाँ की दुकान लगती है और लोगों का फिड़ भी रहता है क्योंकि वहाँ सस्ता सब्जियाँ मिलती है अब ऐ बात जब बिहार विधानसभा में विपक्ष ने सवाल उठाएं तो मुख्य मंत्री ने ऐ इशारा जरूर कर दिया की देखिए हम अब कहीं जाने वाले नहीं है इसका मतलब ऐ हुआ उनके पास ऑप्शन है नहीं रहता तो बोलते ही क्यों? और जब अंक गणित के अनुसार बिहार में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं है नीतीश कुमार को जो खेल करना था कर दिए हैं देखिएगा जल्द ही कुछ बड़ा करने वाले हैं क्योंकि उनको गरीबों से बहुत प्यार है आखिर उनको मालूम नहीं है कि 20 साल से अतिक्रमण है इसपर पहले ऐ देखना जरुरी होता है कि क्या वो पेट भरने के लिए अपना व्यवसाय कर रहा है अतिक्रमण क्या महाराष्ट्र के मुंबई में नहीं हुआ जो चाल के रूप में मान्यता मिली लेकिन ऐ सब किसी राजनीती पार्टी से सम्बन्ध है इसलिए उनको मान्यता मिली इसलिए अब पि म बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग और एसआईआर पर सवाल उठाए हैं। नीतीश कुमार के पास दूसरे रास्ते से सरकार बनाने के ऑप्शन है इसलिए कहें कि हम इधर उधर नहीं जाने वाले हैं ऐ एक इशारा है चूंकि अचानक कोई फैसला नहीं लेंगे जब तक वो पुरी तरह तैयार ना हो जाए अभी वो कब पलटी मारेंगे कोई भरोसा नहीं है उनको अपनी सीट बिहार में बढ़ानी थी वो दुगाना कर लिए जो महागठबंधन में उनको उतना सीट नहीं मिलता और तेजस्वी कूद पड़े थे मुख्यमंत्री की दौड़ में, इसलिए जनता से मार खा गए और नीतीश कुमार बाजी मार गए काम किया और अन्त समय में महिलाओ को भरोसे में लिया और जीत मिली बाद में बीजेपी के पास कोई ऑप्शन नहीं बचा इसलिए शायद बीजेपी ने मुख्यमंत्री के लिए नीतीश कुमार को ही चुना और अब तो ग्रिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम भी दर्ज हो गया है जेडीयू को बिहार में अपना वर्चस्व बनाना था इसलिए 101 सीटों पर चुनाव लड़ कर 85 सीटे मिली जो पहले से अच्छा प्रदर्शन रहा है नीतीश कुमार में ऐ खासियत है कि गरीबों के भले के लिए काम करते हैं इसलिए दारू बन्द कराई जिससे बिहार में राजस्व की काफी कमी हुई जो दिल्ली की आम आदमी पार्टी के शासन में शराब ही उसको ले डूबी, अतः बिहार में नीतीश कुमार कुछ बड़ा करेंगे क्योंकि कब वो पाला बदल लेंगे ऐ कोई नहीं जानता और बीजेपी की मजबूरी है सरकार में रहने के लिए नीतीश का साथ विधानसभा में बुलडोजर के एक्शन में कुछ नहीं बोला लेकिन उप मुख्य मंत्री व गृहमंत्री सम्राट चोधरी ने बुलडोजर से पल्ला झाड़ लिया उप्र में योगीजी के राज में चल रहे बुलडोजर बिहार के पैटर्न पर नहीं है वो अपराधी, माफियाओ, दंगा करने वाले को लेकर ज्यादा केंद्रित है जिससे दोषियों को सजा देने हेतु है लेकिन बिहार में चल रहे बुलडोजर कुछ अलग किस्म का है कॉरिडोर अयोध्या में चले बुलडोजर का सीधा असर उप्र में लोकसभा के चुनाव में देखने को मिला बाद में जब समझ आई तो शायद कम हुई जो और भी मथुरा वृन्दावन कॉरिडोर के लिए था वो अब कहीं नजर नहीं आ रहा क्योंकि चुनाव भी साल भर में आने वाले हैं नीतीश कुमार के अंदर ऐ दर्द जरूर है क्योंकि करना होता तो 20 साल से सरकार थी पहले ही कर चूके होते आप गूगल मैप पर बिहार के पुल को देखिये ऊपर पूल है और पूल के निचे सब्जी की दुकान ऐसा नहीं है कि ऐ सिर्फ बिहार में है हमने गुजरात में अहमदाबाद और सूरत में भी देखा है फेरीवाला और सब्जी बेचने वाले को अतः ऐ सिर्फ एक प्रदेश की समस्या नहीं है बहुत से राज्यों में मिलेगा और उस इलाके में बसूली भी होती है हालांकि ऐ सही नहीं है लेकिन अगर किसी गरीव का धंधा खत्म होता है तो फिर पैसा कमाने के लिए चोरी छीनाझोरी अपराध बढ़ेंगे और ऐसे में दोनों पहलू पर विचार करना चाहिए क्योंकि इससे पढ़े लिखे लोगों को भी शायद ठीक नहीं लगता है क्योंकि कभी वो गरीबी का दर्द समझकर आगे निकले होंगे अतः नि त रूप से नीतीश कुमार अभी खामोश हैं लेकिन जल्द ही उनके खामोशी का मतलब भी समझ आएगा तब तक देर हो चुकी होगी अतः गरीबी खत्म करने और माफियाओ से मुक्ति चाहिए तभी सामानता का अधिकार समझ आएगा क्या रीड के किनारे सिग्नल पर महानगरो में फेरी वाला सड़क पर सामान नहीं बेचता है पुल के निचे नहीं सो रहा है क्या ऐ कानूनी रूप से मान्य है लेकिन गरीब है तो करें तो क्या करे भगवान राम ने हमें हमेशा गरीबों की सेवा के लिए ही त्याग का भाव समझाया है अतः गरीबों की सेवा ना भी करें लेकिन उसके दर्द को समझना चाहिए।

भीम प्रज्ञा कविता

सागर सी आँखें

ये आँखें नहीं हैं तुम्हारी, ये दो गहरे सागर हैं,
जिनमें हज़ारों शांत तूफ़ान पलते हैं, मेरी जान।
इनमें जो सपने हैं, वो केवल ख़्वाब नहीं,
बल्कि हमारे आने वाले कल के सुंदर नज़ारे हैं।

इन सागरों की गहराई में मुझे खो जाने दो,
इन सपनों की दुनिया में बस जाने दो।
ये आँखें जहाँ रुक जाएँ, वहीं मेरा प्यार है,
ये आँखें, मेरे मन का एक सच्चा दर्पण हैं।

इनमें एक जादू है, एक अजीब सा नशा है,
इनमें डूबकर जीना ही हमारी जीवन की सुंदरता है।
ये नज़रें जो मिल जाएँ, तो सब कुछ मिल जाए,
बस इन्हीं आँखों में मेरी दुनिया रहती है।

क्षमा राव, मुंबई कवयित्री

द बौहराज ग्लोबल स्कूल स्पोर्ट्स लीग का जोरदार आग़ाज़

टीम महवा ने फादर्स क्रिकेट में दिखाई दमखम, मातृ शक्ति के जोश ने पूरे मैदान में भर दी नई रौनक

क्रिकेट से लेकर टग ऑफ वॉर और मटकी खेल तक हर मुकाबले में दिखी सादगी।

भीम प्रज्ञा न्यूज़.दौसा।

मनोज खंडेलवाल । टीकाराम पालीवाल स्टेडियम में शनिवार का दिन किसी बड़े मेले जैसा दिखा, जहाँ द बौहराज ग्लोबल स्कूल की ओर से आयोजित फादर्स क्रिकेट लीग और मदर्स स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का पहला दिन खेल, तालियों और गांव की परिचित रौनक से भर गया। सुबह-सुबह ही मैदान में अभिभावकों, विद्यार्थियों और विद्यालय स्टाफ की भीड़ जमा होने लगी, और जैसे ही मुकाबले शुरू हुए, पूरा स्टेडियम ग्रामीण उत्साह, तानों-ठहाकों और तालियों की गूंज से जीवंत हो उठा। फादर्स क्रिकेट लीग के पहले मैच में टीम बालाजी और टीम महवा आमने-सामने उतरीं। टीम बालाजी ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 89 रन का लक्ष्य रखा, लेकिन जवाब में टीम महवा ने मानो ठान लिया हो कि मुकाबला लंबा नहीं खिंचेगा। महवा के कप्तान शिवकुमार मीणा ने 7 चौकों की आतिशी पारी खेलते हुए 37 रन बनाकर मैच को एकतरफा कर दिया और आठवें ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। मैदान में मौजूद हर ग्रामीण दर्शक ने तालियों और शोर से उनका स्वागत किया। शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया, और वह गांव के युवाओं में चर्चा का केंद्र बने रहें।मातृ शक्ति की प्रतियोगिताओं ने तो पूरे माहौल को और भी रंगीन बना दिया। टग ऑफ वॉर में यशोधरा, पूजा कुमारी जोगी और श्वेता सिंघल की टीम ने जोर आज़माइश में शानदार जीत दर्ज की, जबकि दूसरी टीम की महिलाओं ने भी अद्भुत दमखम दिखाकर दर्शकों को खूब रोमांचित किया। वहीं ब्लाइंडफोल्ड एंड टच द मटकी प्रतियोगिता में ग्रामीण महिलाओं की सहज फुर्ती, संतुलन और खेलभावना देखते ही बनती थी। इस प्रतियोगिता में ललिता भारद्वाज प्रथम, श्वेता सिंघल द्वितीय और रचना देवी तृतीय स्थान पर रहीं। विद्यालय परिवार, शिक्षकगण और बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीण अभिभावकों ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। हर अच्छे शॉट, हर जीत और हर प्रयास पर तालियों की गूंज दूर-दूर तक सुनाई देती रही। बच्चों के चेहरे पर खुशी, माताओं की भागीदारी में आत्मविश्वास और पिताओं की खेल भावना ने कार्यक्रम को एक पारिवारिक उत्सव जैसा बना दिया, जैसा किसी गांव में बड़े त्योहार या खेल दंगल के दौरान देखने को मिलता है। पहले ही दिन द बौहराज ग्लोबल स्कूल की स्पोर्ट्स लीग ने यह साबित कर दिया कि खेल सिर्फ मुकाबला नहीं, बल्कि एकता, उत्साह और ग्रामीण समाज की जीवंतता का प्रतीक है। आने वाले मुकाबलों को लेकर अब बच्चों से लेकर बड़ों तक में उत्सुकता और भी बढ़ गई है।

एससी-एसटी संगठनों द्वारा बाबा साहेब अम्बेडकर की 70वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजली सभा आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झालावाड।

एससी-एसटी के समस्त संगठनो के तत्वावधान में संविधान निर्माता, भारत रत्न, बाबा साहब की 170वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी उपस्थित अनुयायिओं ने बाबा साहब की तस्वीर पर मल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजली दी गई। कृष्ण सिंह हाडा ने बताया की बाबा साहब दलित पिछडों के लिये काम करने वाले महापुरूष थे। धनीराम समर्थ ने बाबा साहब की विचारधार को जीवन मे विचारने पर जोर दिया। परमानन्द भारती ने संगठनों की एकता के साथ रहने को कहा। जितेन्द्र भारती ने पुण्य तिथि को विशालरूप से मनाने का सुझाव दिया। विष्णुदयाल रैगर ने बाबा साहब के संघर्ष का वर्णन को विस्तार से बताया। श्रद्धांजली सभा का संचालन गोपाललाल मेघवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर छीतर लाल बैरवा, गोपाललाल मेघवाल, विष्णुदयाल रैगर, धनीराम समर्थ, कृष्ण सिंह हाडा, परमानन्द भारती, बाबूलाल वर्मा सेवानिवृत कानूनगो, रामनारायण वर्मा, महावीर मीणा सहित अन्य मौजूद रहें।

पाटोदा में बाबा साहब अम्बेडकर को श्रद्धांजलि: शिक्षा और कुरीतियों पर विचार विमर्श

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

उपखंड के गांव पाटोदा में भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की पुण्यतिथि पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। राजेन्द्र पाटोदा ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत में बाबा साहब अम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने बाबा साहब के विचारों पर गहन विचार विमर्श किया। चर्चा का मुख्य केंद्र समाज में फैली अनेक कुरीतियों को मिटाने, शिक्षा के प्रति जागरूकता लाने, पाखंडवाद से दूर रहने और नशामुक्ति जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों पर रहा। इस श्रद्धांजलि सभा में अम्बेडकर मंच संचालक जगन जी महरिया, समिति सलाहकार मुकेश महरिया, कांशीराम अध्यापक, शुभम लैब टेक्नीशियन, प्रभुदयाल, पंकज महरिया, पवन खरिया, और प्रदीप कुमार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

डॉ. अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर कोलायत में श्रद्धांजलि

भीम प्रज्ञा न्यूज़.कोलायत।

संविधान के निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस (6 दिसंबर) पर शनिवार को कोलायत स्थित अंबेडकर सर्किल पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। विभिन्न सामाजिक संगठनों और बड़ी संख्या में नागरिकों ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने डॉ. अंबेडकर के सिद्धांतों और विचारों पर चलने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता आशीष कांटिया झझू ने डॉ. अंबेडकर के योगदान को याद किया। उन्होंने कहा, 'बाबा साहब ने विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान तैयार किया, जो आज भी देश का मार्गदर्शन कर रहा है।' झझू ने इस बात पर जोर दिया कि 6 दिसंबर को एक महान सूर्य अस्त हुआ था, लेकिन उनकी चमक आज भी फीकी नहीं पड़ी है और उनके विचार तथा दिए गए अधिकार समाज में जीवित हैं। युवा कार्यकर्ता अनिल सुंबरा ने समाज से डॉ. अंबेडकर के मूल मंत्र - 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' - को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने विशेष रूप से दलित समाज को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में सक्रिय पहल करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। इस श्रद्धांजलि सभा में पूर्व महासचिव प्रदीप दावा, ओमप्रकाश ढाल, देवराज कटारिया, गगनदीप, महावीर चौहान, मुकेश, लक्ष्मण, श्रवण, सुखदेव, तरुण सहित बड़ी संख्या में युवाओं और गणमान्य नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

मंडावर में विधायक राजेन्द्र ने सड़क काम का किया औचक निरीक्षण

गांधी चौक से ट्रक यूनियन तक सडक निर्माण को लेकर दिये कड़े निर्देश

सब्जी मंडी व्यापारियो की मांग पर उन्हे पूरा करने की दिशा में पालिका को दिये सख्त निर्देश।

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । मंडावर नगरपालिका क्षेत्र में शनिवार सुबह माहौल तब गर्मा गया जब महवा विधायक राजेंद्र मीना अचानक शहर के गांधी चौक पहुंचे और वहाँ से गढ़ रोड होते हुए ट्रक यूनियन तक करीब 100 करोड़ की लागत से स्वीकृत सड़क परियोजना का औचक निरीक्षण शुरू कर दिया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ नगरपालिका के कार्यवाहक ईओ प्रकाशचंद मीना, पीडब्ल्यूडी के एईएन चन्द्रप्रकाश मीना और मंडावर उपखंड कार्यालय का स्टाफ मौजूद रहा। सड़क निर्माण के तहत खुदाई को देखकर विधायक सीधे सब्जी मंडी के आगे पहुँचे, जहाँ सड़क की चौड़ाई कम होने पर उन्होंने मौके पर ही फीते से नाप-तौल कराई और पूर्व निर्मित चौड़े नाले को संकरा कर सड़क को नियमानुसार चौड़ा बनाने के निर्देश दिए। सब्जी मंडी के व्यापारियों ने विधायक को बताया कि मंडी के अंदर और बाहर सफाई नियमित नहीं होती, जिससे रोज़ाना गंदगी फैलती है। इस पर विधायक ने ईओ को सफाई व्यवस्था तुरंत दुरुस्त करने के निर्देश दिए। व्यापारियों की मांग पर पुराने जर्जर मंडी भवन को तोड़कर नया भवन बनाने, सब्जी विक्रेताओ के लिये तीस टीन शेड तैयार कराने, मंडी परिसर में सीसी रोड डालने, बीच में एक हाईमास्ट लाइट लगाने और मुख्य द्वार को मजबूत रूप में तैयार करवाकर गेट लगवाने के कार्यो को भी शीघ्र ही पूरा कराने के निर्देश दियें। इसके बाद विधायक नगरपालिका वाली गली में पहुँचे और वहाँ विस्तृत नगरपालिका भवन व पंचायत समिति कार्यालय के लिए जगह उपलब्ध कराने के मुद्दे पर पालिका भवन के सामने स्थित पुराने वेयरहाउस और जर्जर प्राथमिक स्कूल भवन को पालिका को हस्तांतरित कराने की दिशा में जिला कलेक्टर दौसा से दूरभाष पर बातचीत की। इसके पश्चात विधायक ने ईओ को इस संबंध में प्रस्ताव तैयार कर तुरंत भेजने के निर्देश दिए। लोगो की मांग पर बांदीकुई-कठूमर हाईवे के मंडावर शहर के बीच भीड़भाड़ वाले व्यस्त बाजार से गुजरने के प्रस्ताव पर भी वे खासे गंभीर दिखे और वैकल्पिक मार्ग तय कर प्रस्ताव भेजने को कहा।

निरीक्षण के दौरान भाजपा मंडल मंडावर के सोनू वशिष्ठ ने पालिका सीमा में होकर गुजरने वाली वर्षो पुरानी नहरों के दोनों ओर पक्की दीवारें बनाने की मांग रखी, जिस पर विधायक ने ईओ को आवश्यक कार्रवाई करने के लिए कहा। इसके साथ ही पाखर रोड, केशव नगर, आदर्श कॉलोनी सहित आसपास के क्षेत्रों में पक्की सीसी सड़क और नालियों की मांग भी रखी गई, जिस पर विधायक ने जल्द ही बनवाने का भरोसा दिया। निरीक्षण के दौरान विधायक के निजी सचिव दीपक सीमला, भाजपा मंडल महामंत्री सोनू वशिष्ठ, अनाज मंडी अध्यक्ष पारस जैन, बनवारी अग्रवाल, बंटी जांगिड़, पप्पू सैनी, इन्द्र सैनी, दिलीप रावत, मुकेश बंसल, डोनू प्रधान, अजय झालानी, मुकेश साहू, ढील्या खान, काडू साहू सहित अनेक व्यापारी और ग्रामीण मौजूद रहें।

अमरपुरा में बड़ा हादसा टला, दमकल टीम ने समय रहते बुझाई ट्रांसफार्मर की आग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सुलताना।

अमरपुरा गांव में शनिवार को एक विद्युत ट्रांसफार्मर में अचानक आग लग जाने से क्षेत्र में भारी अफरा-तफरी मच गई। यह ट्रांसफार्मर रिहायशी इलाके के निकट होने के कारण स्थिति अत्यंत गंभीर थी, लेकिन दमकल विभाग की अत्यंत तीव्र और पेशेवर प्रतिक्रिया ने एक बड़ी दुर्घटना को टाल दिया। घटना की सूचना मिलते ही फायर प्रभारी ने समय की गंभीरता को समझते हुए बिना किसी विलंब के पूरी फायर टीम को तुरंत रवाना कर दिया। उनकी त्वरित प्रतिक्रिया ही बड़े नुकसान को रोकने का पहला कदम साबित हुई। दमकल टीम में ड्राइवर नरेश राव, फायरमैन विकास लमोरिया, और सहायक कर्मचारी हरेंद्र व अरविंद शामिल थे। टीम का वाहन निर्धारित समय सीमा के भीतर तेजी से अमरपुरा गांव पहुंच गया। घटनास्थल पर पहुंचते ही दमकल कर्मियों ने तुरंत और कुशलता से अग्निशमन कार्य शुरू कर दिया। ट्रांसफार्मर की आग तेजी से फैल रही थी और आस-पास के घरों तथा खेतों को अपनी चपेट में ले सकती थी। टीम की निरंतर और कुशल कार्रवाई के चलते, थोड़ी ही देर में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। इस तत्परता ने ट्रांसफार्मर के पास बसे घरों और फसलों को संभावित नुकसान से सुरक्षित कर लिया। दमकल टीम की समयबद्ध कार्रवाई से बड़े हादसे को टलते देख ग्रामीणों ने राहत की साँस ली। एक स्थानीय ग्रामीण ने राहत व्यक्त करते हुए कहा, 'यदि दमकल समय पर नहीं आती तो आग पूरे क्षेत्र में फैल सकती थी और बड़ा नुकसान हो सकता था।' इस सफल बचाव अभियान ने एक बार फिर साबित कर दिया कि दमकल विभाग की तत्परता और पेशेवर दक्षता ही सार्वजनिक सुरक्षा की सबसे बड़ी ताकत है।

डॉ नरेन्द्र सर्वा का नीट पीजी के लिए हुआ सलेक्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

मानासी निवासी मुम्बई प्रवासी हरिप्रसाद सर्वा के सुपुत्र डॉ नरेन्द्र सर्वा का नीट पीजी परीक्षा 2025 में सलेक्शन हुआ है। डॉ सर्वा को चर्म व त्वचा रोग में पीजी के लिए एसएमएस कालेज जयपुर के लिए सलेक्शन हुआ है। वे वर्तमान में बांसवाड़ा में एमओ के पद पर कार्यरत हैं।उल्लेखनीय है कि हरिराम की सुपुत्री संगीता एमडीएम अस्पताल जोधपुर में नर्सिंग ओफिसर के पद पर कार्यरत हैं।

रेप पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग तेज, भीम आर्मी पदाधिकारियों का चौथे दिन भी अनशन जारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग को लेकर डॉ. भीमराव आंबेडकर मूर्ति स्थल पर भीम आर्मी एकता मिशन के नेतृत्व में चल रहा धरना-प्रदर्शन चौथे दिन भी जारी रहा। संगठन के पदाधिकारी लगातार चौथे दिन भूख हड़ताल पर बैठे रहे और प्रशासन से आरोपीयों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग करते हुए आंदोलन को और तेज करने की चेतावनी दी। कैलाश दास महाराज ने बताया कि भीम आर्मी पदाधिकारियों का अनशन तब तक जारी रहेगा जब तक आरोपी गिरफ्तार नहीं हो जाते। धरना स्थल पर माहौल गंभीर एवं न्याय की मांग को लेकर दृढ़ संकल्पित दिखाई दिया। भूख हड़ताल पर बैठे पदाधिकारी में सत्यवान इंदासर पूर्व भीम आर्मी प्रदेश अध्यक्ष, विकास आल्हा भीम आर्मी जिलाध्यक्ष(झुंझुनूं), सोमबीर आजाद (नवां) भीम आर्मी तहसील अध्यक्ष, राजगढ़, मनोज कुमार (नवां) आदि मांगों को लेकर लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। जिला महासचिव (आसपा) कपिल आर्यन गोठवाल ने बताया कि जब तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होती, तब तक धरना-प्रदर्शन और अनशन अनवरत जारी रहेगा। इसी बीच, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक फूलचंद मीणा और पिलानी थाना अधिकारी चंद्रभान भी धरना स्थल पर पहुंचे और अनशनकारियों से मुलाकात की। आन्दोलन को मजबूती देने के लिए अनेक सामाजिक कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और भीम आर्मी के पदाधिकारी धरना स्थल पर पहुंचे और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग का समर्थन किया। समर्थन देने वाले प्रमुख संगठन व पदाधिकारी में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर समिति, सूरजगढ़ व डॉक्टर भीमराव अंबेडकर समता संस्था, पिलानी दोनों ने अपना समर्थन दिया है।

इस मौके पर सूरजमल (आजाद समाज पार्टी पिलानी अध्यक्ष), चेतराम लिखवा (भीम आर्मी तहसील अध्यक्ष), शुभकरण बसवाला (तहसील उपाध्यक्ष), एक्ट 2 जिला सचिव शीशराम गोठवाल, हरिओम काला, ईश्वर गोठड़ा (खेतड़ी), जिला संघर्ष समिति जिलाध्यक्ष रामानंद आर्य, बलबीर सिंह काला, प्रेम, शेरसिंह मोरवा, रवि चंदेलिया, राजेश खुडाना, पवन कुमार, विजेंद्र, सुभाष चंद्र, रोहितास, मिश्रुराम, दीपू, सुनील मेहरा, बलवान रामपुर, राजेंद्र नवां, अक्षय, सुरेश नवां, प्रदीप नवां, महेंद्र लूनिया, बी.एल. बौद्ध, दुर्गा प्रसाद बोयल, कृष्ण रोलन (भीम आर्मी जिलाध्यक्ष चूरू), राकेश कुमार, ताराचंद मेघवाल, दिनेश मेघवाल, लालचंद मेघवाल, योगेश मेघवाल, मोहम्मद शाहरुख, रामनिवास मेघवाल (मानोता कला), राजेश कुमार, नरेन्द्र मंडाड़, प्रीतम बिजोली (भीम आर्मी तहसील अध्यक्ष सूरजगढ़), मदनलाल, ओमप्रकाश सूनिया, ओमप्रकाश सेवदा, राधेश्याम चिरानिया, मोतीलाल सूरजगढ़ सहित अनेक पदाधिकारी। पीड़ित परिवार की माता सुनीता देवी भी पूरे समय धरना स्थल पर मौजूद रहीं। आन्दोलनकारियों ने प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दी कि गिरफ्तारी में देरी हुई तो आंदोलन व्यापक स्तर पर तेज किया जाएगा।

टोहाना के प्रतिष्ठित स्कूल बजरंग मॉडल स्कूल में सड़क सुरक्षा जागरूकता विषय पर हुआ सेमिनार

स्कूल के बच्चों ने खंड स्तरीय सड़क सुरक्षा प्रतियोगिता में रचा इतिहास

सब जूनियर जूनियर और सीनियर वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । आजाद नगर स्थित बजरंग मॉडल स्कूल में सब इंस्पेक्टर धर्मचंद जाखड़ ट्रैफिक इंचार्ज टोहाना के नेतृत्व में ट्रैफिक रूल्स संबंधित जागरूकता अभियान सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस सेमिनार में धर्मचंद जी द्वारा स्कूल के बच्चों को ट्रैफिक रूल्स, सड़क सुरक्षा चिन्ह, सड़कों के प्रकार, यातायात रूल्स जुर्माना के बारे में गहराई से जानकारी दी द्य सेमिनार में मुख्य वक्ता द्वारा बच्चों को हेलमेट पहनना क्यों जरूरी संबंधी लाइव डेमो भी दिखाया गया कि हेलमेट पहनने से किस प्रकार हमारे शरीर के मुख्य अंग हेड की रक्षा की जा सकती है द्य हेलमेट में पपीता डालकर गिराया गया तो पपीता बिल्कुल सुरक्षित था और जब हेलमेट के बिना गिराया गया तो वह फूट गया यही हाल मनुष्य के चेहरे का होता है जब एक्सीडेंट होता है द्य इसके साथ-साथ उन्होंने बच्चों को नशा जागरूकता संबंधी व साइबर क्राइम के बारे में भी बच्चों को अवगत करवाया गया द्य बच्चों को बताया गया कि आप सभी सड़क सुरक्षा के नियमों की पालना करने के लिए अपने अभिभावकों को जागरूक करें जिससे कि राज्य में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके द्य कार्यक्रम के दौरान खंड स्तरीय सड़क सुरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेता बच्चों को मुख्य अतिथि धर्मचंद , स्कूल निदेशक विनय वर्मा , प्रधानाचार्य अंजू वर्मा द्वारा सम्मानित किया गया द्य इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में तीन स्तरों में कक्षा तीसरी से 12वीं तक के टोहाना खंड के सभी राजकीय व प्राइवेट स्कूलों ने हिस्सा लिया था द्य खंड स्तरीय प्रतियोगिता में बजरंग मॉडल स्कूल के विद्यार्थियों ने असाधारण प्रतिभा दिखाते हुए तीन हुई स्तरों में प्रथम स्थान प्राप्त कियेद्य स्तर 1 में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान क्रमशः प्रिया, नूर, तमन्ना सौम्य ने , स्तर 2 में शुभम, चिराग और जैस्मिन ने तथा स्तर 3 में अभिषेक, यतीश मंगल, जतिन भारद्वाज ने प्राप्त किये द्य कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि धर्मचंद व उनके सहायक गुरप्रीत सिंह तथा निर्मल सिंह को स्कूल मैनेजमेंट कमेटी द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

गुजरवास में इंटरकास्ट प्रेम विवाह करने वाले एक युवक जहरीली दवा सल्फास खा कर की अपनी जीवन लीला समाप्त

मृतक के पिता की शिकायत पर पत्नी समेत तीन पर केस दर्ज

सल्फास खाने से पूर्व युवक ने 10 मिनट छह सेकेंड का वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपलोड किया, अटेली पुलिस ने किया मामला दर्ज

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । अटेली क्षेत्र के गांव गुजरवास में अंतरजातीय प्रेम विवाह करने वाले एक युवक ने पत्नी के चले जाने के बाद जहरीली गोलियां खाकर आत्महत्या कर ली। मृतक के तीन माह की बेटी भी छोड़ कर चला गया है उसने सवा साल पहले पड़ोस के गांव मोहम्मदपुर में प्रेम विवाह किया था। मृतक के पिता की शिकायत उसके लड़के को आत्महत्या के लिए मजबूर करने पर पत्नी समेत सास, ससुर तीन पर केस दर्ज किया है। युवक ने आत्महत्या करने से पहले 10 मिनट छह सेकेंड की एक वीडियो भी बनाई और उसको अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपलोड भी किया। लोगों को जब उसके जहरीली दवा सल्फास खाने का पता चला तो उसको नागरिक अस्पताल लाया गया। गंभीर हालत के चलते उसको रेफर कर दिया परिजन उसको एक प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया। जहां पर उसका इलाज चला मगर वह ठीक नहीं हुआ तो परिजन उसको जयपुर ले गए। वहां पर उनसे इलाज के परिजनों ने खूब कोशिश की परन्तु अनुज बच नहीं पाया तथा उसने दम तोड़ दिया। अटेली पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया। लड़के के एक बच्ची भी बतायी जाती है। वहीं अनुज ने अपनी इंस्टाग्राम पर डाली गई वीडियो में बताया कि एक वर्ष पूर्व दिसंबर माह में ही उसने पड़ोस के गांव मोहममद पुर की लड़की से प्रेम विवाह कर लिया था। शादी करने के बाद सबकुछ ठीक चल रहा था, पहले वे झज्जर में रहे। इसके बाद अपने पड़ोसी गांव अटेली में आ गए। जो हमारे गांव से पांच किलोमीटर दूर ही है। अटेली में सिनेमा हाल वाली गली में किराये के रूम में रहने लग गया था। सब ठीक ठाक रहने लग रहे थे उस समय उसकी पत्नी भी ठीक थी। थाना प्रभारी सज्जन सिंह ने बताया कि वीडियो के आधार पर मृतक के पिता की शिकायत पर पत्नी, मृतक के ससुर सुरेश कुमार, सास मंजू देवी के विरूद्ध मामला दर्ज कर लिया है।

सेवा स्तम्भ और धम्म भूमि ने मनाया बाबा साहेब का 70वां महापरिनिर्वाण दिवसः अंबेडकर चौक पर किया नमन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

संविधान निर्माता, समाज सुधारक और भारतरत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी का 70वां महापरिनिर्वाण दिवस शनिवार 6 दिसंबर 2025 को सेवा स्तम्भ जिला इकाई एवं धम्म भूमि रेवाड़ी द्वारा पूरे श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अंबेडकर चौक रेवाड़ी पर बाबा साहेब को श्रद्धा सुमन पुष्प अर्पित कर नमन किया गया। इसके उपरांत, सेवा स्तम्भ डॉ. बी आर अंबेडकर पार्क एवं लाइब्रेरी, मॉडल टाउन रेवाड़ी में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मौजूद सभी साथियों ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए और कैंडल प्रज्वलित कर बुद्ध वंदना, त्रिशरण और पंचशील ग्रहण किया। सभी ने सामूहिक रूप से श्रद्धांजलि अर्पित कर बाबा साहेब को नमन किया। सेवा स्तम्भ के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं जिला अध्यक्ष प्रधान भगतसिंह बौद्ध ने अपने संबोधन में बताया कि डॉ. अंबेडकर ने छह दिसंबर 1956 को अंतिम सांस ली थी, जिसे 'महापरिनिर्वाण दिवस' के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने अपना पूरा जीवन गरीबों, दलितों और समाज के पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए न्यौछावर कर दिया और सामाजिक छुआछूत और जातिवाद के

खात्मे के लिए आंदोलन किए। सतबीर गोठवाल ने बाबा साहेब की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उनका जन्म 14 अप्रैल 1891 को महू आर्मी कैंटोनमेंट में हुआ था और वे 32 डिग्रियों के साथ 9 भाषाओं के सबसे बेहतर जानकार थे। उन्होंने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में मात्र 2 साल 3 महीने में 8 साल की पढ़ाई पूरी की थी। उन्होंने यह भी बताया कि 14 अक्टूबर 1956 को बाबा साहेब ने नागपुर में बौद्ध धर्म को अपना लिया था। सेवा स्तम्भ के पूर्व लीगल एडवाइजर डॉ. कमल निम्बल ने बताया कि डॉ. अंबेडकर ने एससी वर्ग को समानता दिलाने के लिए जीवन भर संघर्ष किया। उन्होंने 1932 में महात्मा गांधी के आमरण अनशन के बाद अपनी पृथक निर्वाचिका की मांग वापस ले ली, जिसके बदले में एससी समुदाय को सीटों में आरक्षण, मंदिरों में प्रवेश और छुआछूत खत्म करने का अधिकार मिला।

एडवोकेट राजकुमार जलवा ने बताया कि बाबा साहेब ने अछूतों के प्रति सामाजिक भेदभाव के खिलाफ और निचली जातियों के उत्थान के लिए अथक संघर्ष किया था। अजीत सिंह ने जानकारी दी कि डॉ. अंबेडकर को मरणोपरांत वर्ष 1990 में 'भारतरत्न' से सम्मानित किया गया था। पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी धर्मवीर बलडोदिया ने बाबा साहेब के शिक्षा संबंधी विचारों पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा प्रत्येक व्यक्ति का जन्मसिद्ध अधिकार है। सहसचिव नरेंद्र मेहरा ने बाबा साहेब के इस विचार को दोहराया कि शिक्षा पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं के लिए भी उतनी ही आवश्यक है। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में बाबा साहेब के अनुयायी एकत्रित हुए, जिनमें मुख्य रूप से भगत सिंह सांभरिया, कांशी राम खींची, एडवोकेट राजकुमार जलवा, अजीत सिंह प्रधान, सत प्रकाश नैचाना, भगत सिंह, मानसिंह, एडवोकेट कमल निम्भल, एडवोकेट संजीव कुमार, एडवोकेट दीपक कुमार, बाबू लाल यादव, डॉ. सतपाल चोपड़ा, डॉ. आर के शर्मा सहित बड़ी संख्या में साथी उपस्थित रहें।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बनगांव में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । कानूनी साक्षरता अभियान के अंतर्गत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बनगांव में लीगल लिटरेसी सर्विसेज द्वारा एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ट्रेनिंग जज जैस्मिन बावा व तन्वी गर्ग तथा पैनल एडवोकेट कमलेश वशिष्ठ उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ व्याख्याता सुरेंद्र गर्ग द्वारा अतिथिगणों के स्वागत के साथ किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कानूनी साक्षरता विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है, जिससे वे समाज एवं न्याय व्यवस्था के प्रति जागरूक नागरिक बन सकें। प्रशिक्षु जजों व पैनल एडवोकेट ने विद्यार्थियों को अवगत कराया कि न्याय सबके लिए समान एवं सुलभ है। उन्होंने निःशुल्क कानूनी सहायता से संबंधित योजनाओं तथा प्रावधानों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को पोक्सो एक्ट से संबंधित महत्वपूर्ण प्रावधानों एवं सुरक्षा से जुड़े पहलुओं की जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त बढ़ते साइबर अपराधों, उनके खतरों और बचाव संबंधी उपायों पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा जजों से पूछे गए प्रश्न विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। विद्यार्थियों ने न्यायिक सेवा में प्रवेश की प्रक्रिया, विधि अध्ययन, चुनौतियों एवं प्रेरणास्रोतों के बारे में जिज्ञासापूर्वक प्रश्न किए, जिनका उत्तर जजों ने धैर्यपूर्वक एवं प्रेरक ढंग से दिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने यह संकल्प लिया कि कार्यक्रम में प्राप्त कानूनी जानकारी को वे अपने परिवार एवं समाज के अन्य सदस्यों तक पहुंचाएंगे, ताकि कानूनी जागरूकता को व्यापक स्तर पर प्रभावी बनाया जा सके।

एसएफआई नीमकाथाना की जिला कमेटी की बैठक आयोजित,

नई शिक्षा नीति के विरोध में मजबूत आंदोलन की तैयारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमकाथाना।

छात्र संगठन एसएफआई नीमकाथाना की जिला कमेटी की विस्तारित बैठक शनिवार को पार्टी ऑफिस में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष विष्णु नायक ने की। प्रारंभ में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती पर दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसएफआई राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष विजेंद्र ढाका (पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष, शेखावाटी विश्वविद्यालय) तथा पर्यवेक्षक के रूप में प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज गुर्जर मौजूद रहे। प्रदेश अध्यक्ष विजेंद्र ढाका ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए नई शिक्षा नीति का विरोध जताया। उन्होंने कहा कि नई नीति के कारण विद्यार्थियों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। वर्ष में दो बार परीक्षा और दो बार फीस वसूली से छात्रों पर अतिरिक्त भार पड़ रहा है। वहीं, सेमेस्टर प्रणाली में परीक्षा का कोई निश्चित शेड्यूल नहीं होने से विद्यार्थियों को निरंतर तनाव का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के बजट में लगातार कटौती हो रही है और एसएफआई इस नीति को रद्द करवाने के लिए व्यापक आंदोलन छेड़ेगी। पर्यवेक्षक पंकज गुर्जर ने संगठन विस्तार की रणनीति बताते हुए कहा कि एसएफआई आने वाले समय में गांव-गांव जाकर छात्र सदस्यता अभियान चलाएगी। तहसील स्तर पर कमेटियों के गठन और सम्मेलनों को मजबूत करने पर भी विस्तृत चर्चा हुई।

जिला अध्यक्ष विष्णु नायक ने सभी कार्यकर्ताओं का क्रांतिकारी अभिनंदन करते हुए बैठक के समापन की घोषणा की। बैठक में जिला सचिव विक्रम यादव, जिला उपाध्यक्ष संजय सैनी, नवीन कुमावत, जिला संयुक्त सचिव किरण सैनी, सीमा सैनी, निरंजन लाल सैनी (पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष, स्वामी विवेकानंद कॉलेज खेतड़ी), पिंकु गुर्जर, मयंक शर्मा, रिहान कुरेशी, दिनेश बबेरवाल (पूर्व छात्रसंघ सचिव), कशिश, पूजा योगी, निकिता कंवर, अनुराधा, रेखा शर्मा, रितु यादव, यशवीर, मोहित यादव, बिट्टू यादव, राहुल कुमार सैनी, अमित कुमार गुर्जर, दीपक रावत, तनु भार्गव, रिंकू बगड़िया सहित सैकड़ों विद्यार्थी मौजूद रहें।

सूरजगढ़ में डॉ.आंबेडकर का उन्हतरवां महापरिनिर्वाण दिवस मनाया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सूरजगढ़।

कस्बा स्थित अंबेडकर पुस्तकालय में सिंबल ऑफ नॉलेज,नारी मुक्तिदाता और नव भारत निर्माता डॉ.भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हतर वां महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे शिक्षाविद मोतीलाल डिग्रवाल ने बाबा साहब द्वारा भारत के सर्व समाज हेतु किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी दी वहीं नेतृत्वकर्ता ओमप्रकाश सेवदा ने बताया कि अंबेडकर एक व्यक्ति नहीं विचारधारा है जिसकी बदौलत कमजोर व्यक्ति भी ताकत और हौसला पाकर अपनी बेड़ियां खुद तोड़ लेता है। इसलिए बाबा साहब का कोई सानी नहीं है। जिन्होंने अंबेडकर को पढ़ लिया वह उनका मुरीद हो जाता है और जीवनपर्यन्त विचारधारा को फॉलो करने में अग्रिम पंक्ति में दिखाई देता है। राधेश्याम चिरानिया ने संविधान के रचयिता अंबेडकर के बताए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। पूर्व शाखा प्रबंधक एसबीआई बाबूलाल बडगूजर ने छात्र-छात्राओं को शिक्षित होकर बाबा साहब के सपने को साकार करने हेतु प्रेरित किया। जगदीश प्रसाद कनवाड़िया, बनवारीलाल बडगूजर, प्रेमचंद मेहरा, सीताराम कटारिया, फूलचंद सुनिया, सज्जन कटारिया,रोहतास कटारिया, संजय कटारिया, रोहिताश सुनिया, कन्हैयालाल सोकरिया, जगदीश टेलर,बजरंगलाल सुनिया,भलाराम सुनिया ने भी पुष्प अर्पित किए।

भारतरत्न बाबासाहेब अंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस महेंद्रगढ़ में मनायाः समता और आत्मसम्मान के संघर्ष को किया याद

भीम प्रज्ञा न्यूज़.महेंद्रगढ़।

भारत रत्न, बौद्धिस्त्व, नारी के मुक्तिदाता और भारतीय संविधान के निर्माता बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का 69वां महापरिनिर्वाण दिवस शनिवार को महेंद्रगढ़ के डॉ. भीमराव अंबेडकर चौक पर श्रद्धापूर्वक मनाया गया। एसएलजी अमन फाऊंडेशन (भारत) के चेयरमैन सुंदर लाल जोरासिया की अध्यक्षता में आयोजित इस श्रद्धांजलि समारोह में बाबा साहेब की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। अध्यक्षता कर रहे जोरासिया ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहेब का महापरिनिर्वाण दिवस केवल स्मरण का दिन नहीं, बल्कि समाज के लिए आत्मसम्मान, अधिकार-जागरूकता और सामाजिक मुक्ति की प्रेरणा है।उन्होंने कहा कि यह दिन हमें याद दिलाता है कि शिक्षा, संघर्ष और संगठन से ही सम्मान और समान अधिकार प्राप्त किए जा सकते हैं।

जोरासिया ने विशेष रूप से महिलाओं के लिए बाबा साहेब द्वारा बनाए गए कानूनों का जिक्र किया, जिनसे उन्हें पुरुषों के अनुसार समान अधिकार प्राप्त हुए। उन्होंने सुझाव दिया कि बाबा साहेब को सच्ची श्रद्धांजलि देने के लिए सभी परिवार या समाज सामूहिक रूप से 2-3 मिनट संविधान की प्रस्तावना का वाचन करें। जिला अध्यक्ष और समाजसेवी सतबीर झुकिया ने बताया कि बाबा साहेब ने हमें एक उत्कृष्ट संविधान दिया। उन्होंने कहा कि भारत का भविष्य तभी उज्ज्वल होगा जब जाति नहीं, मानवता पहली पहचान होगी। अंधविश्वास नहीं, तर्क और विज्ञान मार्गदर्शक होंगे। वर्चस्व नहीं, समानता और बंधुत्व जीवन-पद्धति होगी।

एडवोकेट अभयराम यादव ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि बाबा साहेब की जातिविहीन समाज की परिकल्पना को असली रूप प्रेम, मैत्री, करुणा और भाईचारा पहनाने से ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि मिलेगी। इस श्रद्धांजलि सभा में विभिन्न जातियों और वर्गों के लोगों ने एकजुट होकर संकल्प लिया कि वे किसी भी मनुष्य को जाति, धर्म, नस्ल, लिंग या जन्म के आधार पर कभी नीचा नहीं मानेंगे। कार्यक्रम में रमेश खींची (पूर्व चेयरमैन), प्रिंसिपल अमर सिंह, राम अवतार मंडिया, मास्टर ताराचंद, संतलाल खिंची, हेड मास्टर बंसीलाल, भूप सिंह ढाणी फोगाट, सतीश बौद्ध पाली, प्रिंसिपल ज्ञानी राम, शेर सिंह चौहान (थानेदार), डॉ. राकेश मेहरा, मेनपाल, महेंद्र तंवर, भगवान सिंह, हरदयाल प्रधान, सुशील नहारवाडा, धन्नाराम (पूर्व सरपंच), माडुराम खिंची, राजू लोहमोड, भौमराज, रविकुमार प्रधान बचिनी, विकास खिंची, कर्ण सिंह आदि सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

शिक्षा ज्ञान व आत्मविश्वास बढ़ाती है': शांति निकेतन स्कूल में तीसरी से आठवीं कक्षा के छात्रों के लिए विज्ञान क्विज आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । शिक्षा व्यक्ति के मानसिक और बौद्धिक विकास को बढ़ाती है और शिक्षा समाज व राष्ट्र की प्रगति में अह्म भूमिका निभाती है। शिक्षा के माध्यम से व्यक्ति ज्ञान, मूल्य और कौशल प्राप्त करता है, जिससे वह आत्मनिर्भर और समाज का एक जिम्मेदार नागरिक बनता है। यह बात शांति निकेतन स्कूल, ढिंगसरा के प्रधानाचार्य रणसिंह जी रेपस्वाल व डायरेक्टर विजय सिंह बाघेला ने कक्षा तीसरी से कक्षा 8वीं तक के विद्यार्थियों के आयोजित विज्ञान क्विज प्रतियोगिता के दौरान कही। उन्होंने बताया हमारे स्कूल का इतिहास रहा है कि वह बच्चों में छुपी प्रतिभा को पहचानकर उन्हें सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है। आज इसी कड़ी को दोहराते हुए शांति निकेतन स्कूल एक नई सोच के साथ विद्यालय में विज्ञान क्विज प्रतियोगिता का आयोजन करवा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य बच्चों में ज्ञान के साथ-साथ आत्मविश्वास को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि सबसे पहले कक्षा छठी से कक्षा 8वीं तक के विद्यार्थियों की उनके पूरे विज्ञान विषय की लिखित परीक्षा ली गई, जिसमें से प्रत्येक कक्षा में टॉप 2 बच्चों का इस प्रतियोगिता के लिए चयन किया गया। इस प्रतियोगिता के लिए 6-6 बच्चों की अब्दुल कलाम, विलियम्स गिलवर्ट, रोबर्ट हुक व अल्वर्ट आईंसटीन नाम से 4 टीमें बनाई गई। यह प्रतियोगिता डिजिटल बोर्ड के माध्यम से 10 राउंड में सम्पन्न करवाई गई, जिसमें कक्षा छठी से कक्षा 8वीं तक की विज्ञान प्रतियोगिता में रोबर्ट हुक टीम ने प्रथम, अल्वर्ट आईंसटीन टीम ने द्वितीय व विलियम्स गिलवर्ट टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त कक्षा तीसरी से कक्षा पाँचवी तक के विद्यार्थियों को यूरी गगारिन, कल्पना चावला, सुनीता विलियम्स व राकेश शर्मा जैसे महान वैज्ञानिकों के नाम की टीम से संबोधित किया गया और इस प्रतियोगिता में कल्पना चावला टीम ने प्रथम, यूरी गगारिन टीम ने द्वितीय व राकेश शर्मा टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया और इन प्रतियोगिताओं में विजेता टीम को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने सभी बच्चों के अभिभावकों से आह्वान किया कि वे ऐसी प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए अपने बच्चों को ज्यादा से ज्यादा प्रेरित करें, ताकि उनके ज्ञान व आत्मविश्वास में बढ़ोतरी हो सके।

जाट बहरोड़ में दो दिवसीय राठ महोत्सव का भव्य आगाज़

साहित्यिक धरोहर को नई पहचान देने मंच पर गूंजे ठहाके और तालियाँ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नीमराना। नीदरलैंड में रह रहे अप्रवासी भारतीय एवं मुंडावर तहसील के जाट बहरोड़ निवासी साहित्यकार कवि डॉ. रामा तक्षक की साझा फाउंडेशन (नीदरलैंड्स व जाट बहरोड़) की पहल पर शनिवार को जाट बहरोड़ स्थित भगवती पैलेस में दो दिवसीय राठ महोत्सव का शुभारंभ हुआ। महोत्सव का उद्देश्य राठ क्षेत्र की साहित्यिक प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम के पहले दिन राठ इलाके के उभरते युवा कवियों के साथ देश के नामचीन कवियों ने मंच साझा किया। कवियों ने राठ इतिहास, संस्कृति, सामाजिक सरोकारों और समकालीन मुद्दों पर अपनी प्रभावशाली व हास्य से भरपूर रचनाओं से दर्शकों को खूब ठहाके लगाने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में फिल्म निर्माता-निदेशक राजेंद्र सिंह मुख्य अतिथि रहे, जबकि मीरा गौतम ने अध्यक्षता की। डॉ. तक्षक ने कहा कि यह महोत्सव राठ क्षेत्र की युवा साहित्यिक प्रतिभाओं को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है। कवि सम्मेलन में जेडी राणा, दीप दीपिका मोलावास, धर्मपाल धर्म, सुमन, मनोज शर्मा मनु, मुकेश यादव, सविता गोस्वामी, डॉ. पीयूष गोस्वामी सहित अनेक रचनाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से समा बांध दिया।कवियों की रचनाओं में संवेदना, हास्य, प्रेरणा और सामाजिक संदेशों का सुंदर संगम देखने को मिला। महोत्सव में अजीत सिंह महलावत, भगवती प्लेस निदेशक एवं बाबा भगवान दास बीएड कॉलेज निर्देशक सुभाष चौधरी, बी.बी.डी स्कूल जाट-बहरोड के संस्थापक अशोक तक्षक,जालावास प्रधानाचार्य प्रवीण यादव, डॉ. गजराज यादव, जाट बहरोड पूर्व सरपंच प्रतिनिधि रमेश तक्षक, शिक्षाविद रवींद्र शर्मा, ब्रह्मप्रकाश तक्षक, जलदीप तक्षक सहित बड़ी संख्या में आसपास के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। राठ महोत्सव का दूसरा दिन रविवार को भी साहित्यिक कार्यक्रमों के नाम रहेगा।

महापरिनिर्वाण दिवस पर जिला मुख्यालय नारनौल पर किया गया बाबा साहब डॉ अंबेडकर को नमन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नारनौल।

नारनौल जिला मुख्यालय पर स्थित बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थल पर हरियाणा अनुसूचित जाति/जनजाति कर्मचारी कल्याण संघ नारनौल के तत्त्वाधान में डॉ अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर आयोजित आदरांजलि कार्यक्रम में जिले की विभिन्न संस्थाओं एवं समाज के प्रबुद्ध वर्ग ने इकट्ठे होकर सामुहिक रूप से डॉ अंबेडकर को पुष्प अर्पित करके याद किया । कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के प्रधान राजपाल गोरा ने की । मंच संचालन का कार्य जयसिंह नारनौलिया ने किया। कार्यक्रम में रामनिवास खींची, ओमप्रकाश दायमा, राजकुमार निम्भल, रामसिंह धाकड़, डॉ महिपाल छिलरो, रोशनी देवी, केला देवी, प्रेम यादव, भानी देवी आदि वक्ताओं ने डॉ अंबेडकर के संदेशों का प्रसार किया। इस अवसर पर संघ के पूर्व प्रधान जयनारायण, विनोद कुमार, होशियार सिंह, मानसिंह नूनीवाल, सुरेश नाहर, मुकेश ढोसीवाल, सिकंदर सिंह, जिले सिंह कालिया, ग्यारसीलाल, चंदन सिंह जालवान, बाबुलाल नारनौलिया, जिले सिंह महारानियां,? संदीप गोठवाल,पवन कुमार, रामचंद्र ग्रोवर, रामकिशन धौलेड़ा, साहिल, आदर्श, एडवोकेट वीरेंद्र सिंह, गुरुदयाल नाहर, चौधरी वेदप्रकाश, जयपाल सिंह,सुरेश कुमार, इंद्र सिंह,शिंभूदयाल, नवनीत सरोहा, घनश्याम,एडवोकेट गजानंद दौचानिया,मनोहर लाल इंस्पेक्टर, अमर सिंह,एडवोकेट हिमांशु,डॉ हनुमान, ओमपाल, कृष्ण तोबड़ा, सरजीत नम्बरदार, राजकुमार गोमला, सत्यपाल अहरोदया,बनवारी लाल, सत्यदेव ,दलीप सिंह,मनोहर लाल निम्भल, रामस्वरूप सिंह, एडवोकेट भीम सिंह दहिया, कमल सिंह,रामानंद पनवाल, अशोक बौद्ध, सुभाष भारती, राजु दहिया,कॉमरेड सुभाषचंद्र, सूबेदार संतोष,महावीर सांभरिया, डॉ ऋतुपर्ण,राधेश्याम नरवारा, जगराम कालिया, सत्यप्रकाश, चमनलाल, कैलाशगढ़, लाजपत सरोहा, हरफूल सिंह, लेखराम, सुरेंद्र नारनौलिया, राजबीर,जसवंत भाटी, मुरलीधर, महेंद्र सिंह, बलबीर हुडीना, राजेन्द्र प्रसाद, भूप सिंह भारती, बबीता बौद्ध आदि गणमान्यजन मौजूद रहें ।

अंबेडकर परिनिर्वाण दिवसः पलावा गांव में दीप प्रज्वलित कर दी गई श्रद्धांजलि

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । शाहजहांपुर कस्बे के निकट स्थित पलावा गांव में शनिवार को संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस (पुण्यतिथि) पर ग्रामीणों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। ग्रामीणों ने अंबेडकर पार्क में स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर ग्रामीणों ने बाबा साहब के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन संघर्ष, समता और शिक्षा का सर्वोच्च मार्ग है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब का योगदान सदैव प्रेरणा देता रहेगा और उनकी प्रतिमा पर हर वर्ष श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके आदर्शों को स्मरण किया जाता है। ग्रामीणों ने उनके दिखाए रास्ते पर चलने और समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में अमीलाल, बोधन मास्टर, बिशम्बर दयाल, बंसीलाल, महेंद्र, रामनाथ, रघुवीर, दीपक मिस्त्री, जसवंत, विक्रम, मोनी, लक्की, दीपक, नरेश, सुमित, साहिल, नितेश, पवन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

कन्याओं की सुरक्षा के लिए देशव्यापी जन आंदोलन का आरंभ

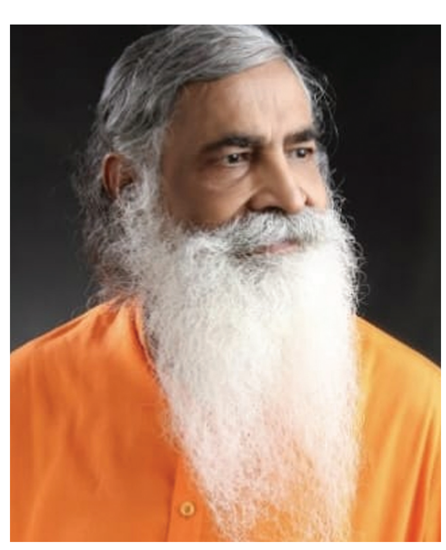

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर/चौमूं।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया । सेंटर फॉर पब्लिक अवेयरनेस एंड इनफॉरमेशन के डायरेक्टर आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया ने बताया कि वह एक देशव्यापी आंदोलन की शुरुआत आज से कर रहे हैं और हमारे देश से लिव इन रिलेशनशिप की कानूनी मान्यता को समाप्त करने के लिए यह आंदोलन प्रारंभ किया है। भारत की सांस्कृतिक गरिमा, सनातन धर्म और कन्याओं की रक्षा के लिए भारत की जनता से उन्होंने आह्वान किया है कि लिव इन रिलेशनशिप की कानूनी मान्यता को समाप्त करने के लिए एक कानून बनाने की प्रार्थना हमारे देश के प्रधानमंत्री से करें। हमारे देश में विवाह व्यवस्था की गरिमा बनाए रखने के लिए यह अत्यंत आवश्यक है अन्यथा भारत का विश्व गुरु बनने का सपना चकनाचूर हो जाएगा। नैतिक शिक्षाविद, आध्यात्मिक चिंतक, प्रेरक एवं मार्गदर्शक आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया ने यह भी बताया कि यह राष्ट्रव्यापी आंदोलन करने का विचार उनके मन में विपश्यना ध्यान समाधि की गहरी अवस्था में भगवान ने आदेश प्रदान करके दिया है। इसलिए भारतवर्ष की सामाजिक व्यवस्था को छिन्न भिन्न करने वाला यह कानून जो कुछ वर्ष पहले ही अस्तित्व में आया है, उसको निरस्त करवाया जाए। लिव इन रिलेशनशिप के कारण भारत में विवाह व्यवस्था और समाज व्यवस्था पतनोन्मुखी हो रही है। यह तो तीन तलाक से भी अधिक भयानक महामारी है, जो हमारे देश में कानूनी संरक्षण में फैल रही है। इस जहरीले पौधे को यदि इस समय नहीं उखाड़ा जाएगा तो यह कांटेदार बबूल की तरह सारे देश में फैल जाएगा और तब हमारे विनाश से हमें कोई नहीं रोक सकेगा।

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 में राजस्थान की ऐतिहासिक उपलब्धि

100' डिजिटाइजेशन कर देश का पहला राज्य बना राजस्थान

केवल 3' मतदाताओं के लिए दस्तावेजों की आवश्यकता ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन 16 दिसंबर को

भीम प्रज्ञा न्यूज़.जयपुर।

लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को अधिक आधुनिक, पारदर्शी और सहभागी बनाने की दिशा में राजस्थान ने एक ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित किया है। विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 (स्ढ्ढर-2026) कार्यक्रम के तहत राज्य में मतदाता सूची का 100 प्रतिशत डिजिटाइजेशन सफलतापूर्वक पूरा किया गया है, जिससे राजस्थान देश का पहला राज्य बन गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने इस उपलब्धि को 'टीम राजस्थान की सामूहिक विजय' बताते हुए कहा कि गांवों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक बीएलओ, सहायक कार्मिकों, पर्यवेक्षकों, एईआरओ, ईआरओ, उप जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों ने अभूतपूर्व समर्पण और दक्षता के साथ कार्य कर यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म कार्ययोजना, सतत मॉनिटरिंग और तकनीकी नवाचारों के प्रभावी उपयोग ने इस असाधारण सफलता का मार्ग प्रशस्त किया है।

मतदाता मैपिंग में भी देश में शीर्ष पर राजस्थान

महाजन ने बताया कि राज्य ने मतदाता मैपिंग के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। 97' से अधिक मतदाता मैपिंग कार्य पूर्ण हो चुका है। अर्थात् केवल 3' मतदाताओं को ही दावे-आपत्ति चरण में दस्तावेज प्रस्तुत करने हैं। औसतन प्रति बूथ लगभग 30 मतदाता ऐसे होंगे जिन्हें दस्तावेज देने की आवश्यकता होगी। उन्होंने बताया कि उच्च स्तरीय मैपिंग से स्ढ्ढर प्रक्रिया अत्यंत सरल एवं पारदर्शी बनती है। इससे बूथवार मतदाता प्रबंधन सुदृढ़ होता है तथा मतदाताओं को बार-बार दस्तावेज प्रस्तुत करने से राहत मिलती है।

तकनीक आधारित पारदर्शिता का सशक्त मॉडल

चुनाव विभाग ने श्वष्टढ्ढहृश्वञ्ज प्लेटफॉर्म, **पत्रिकास्ह्** ऐप, पोर्टल-आधारित सत्यापन प्रणाली और जिला हेल्पलाइन व्यवस्था को सुव्यवस्थित कर कार्यप्रणाली को तेज एवं विश्वसनीय बनाया। सरल भाषा में दिशानिर्देश जारी कर सभी स्तरों पर कार्य की स्पष्टता सुनिश्चित की गई। तकनीक और मानवीय परिश्रम के समन्वय ने राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर एक आदर्श मॉडल के रूप में स्थापित किया है।

लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक

महाजन ने कहा– 'मतदाता सूची केवल नामों का दस्तावेज नहीं, यह नागरिक अधिकारों और चुनावी पारदर्शिता की नींव है। स्पष्ट लक्ष्य, मजबूत कार्यप्रणाली और समर्पित टीम–इन तीनों ने ही राजस्थान को यह ऐतिहासिक उपलब्धि दिलाई है।'

उन्होंने बताया कि राज्य द्वारा प्राप्त यह सफलता न केवल तकनीकी प्रगति का उदाहरण है, बल्कि लोकतंत्र की मजबूती के प्रति राजस्थान की गहरी प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है। यह उपलब्धि अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणादायक मॉडल है।

माइक्रो मैनेजमेंट, टीम भावना और तकनीक–सफलता के तीन सूत्र

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन स्वयं इसे 'टीम राजस्थान' की जीत बताते हैं। गांव से लेकर शहर तक, बीएलओ से लेकर एईआरओ तक, और जिला निर्वाचन अधिकारियों से लेकर स्वयंसेवकों तक–हर स्तर पर एकजुटता और सतत निगरानी ने इस उपलब्धि को संभव बनाया। दिन-रात मेहनत कर रहे कार्मिकों, विशेषकर बीएलओ और ग्राम पंचायत स्तर के कर्मचारियों ने जिस निष्ठा के साथ कार्य किया, वह इस उपलब्धि का मूल कारण बना। श्री महाजन के शब्दों में, 'यह सफलता केवल आंकड़ों की नहीं बल्कि उस सामूहिक भावना की भी है जिसने राजस्थान को एक नया मानदंड स्थापित करने में सक्षम बनाया।'

मतदाताओं का जताया आभार

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने राज्य के सभी मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 में प्राप्त राजस्थान की यह ऐतिहासिक उपलब्धि तभी संभव हो सकी क्योंकि प्रदेश के नागरिकों ने पूर्ण सहयोग, जागरूकता और जिम्मेदारी का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि सत्यापन प्रक्रिया में समय पर सहभागिता, आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने और पुनरीक्षण कार्य में धैर्यपूर्वक साथ देने के लिए मतदाता विशेष धन्यवाद के पात्र हैं। वृद्ध, दिव्यांग, मजदूर एवं दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों द्वारा दिखाई गई सक्रियता लोकतंत्र के प्रति उनकी गहरी निष्ठा का प्रमाण है। महाजन ने कहा कि मतदाताओं के विश्वास और सहयोग ने राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और यही सामूहिक शक्ति आगे भी लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में प्रेरित करती रहेगी।

अगले चरण–ड्राफ्ट मतदाता सूची 16 दिसंबर को

विशेष पुनरीक्षण की आगे की समय-सारणी इस प्रकार है– -

ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन : 16 दिसंबर 2025 (मंगलवार)
- दावे एवं आपत्तियां दाखिल करने की अवधि : 16.12.2025 से 15.01.2026 (गुरुवार)
- नोटिस चरण (सुनवाई एवं सत्यापन) एवं दावों-आपत्तियों पर निर्णय : 16.12.2025 से 07.02.2026 (शनिवार)
- अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन : 14 फरवरी 2026 (शनिवार)
मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने योग्य मतदाताओं से अनुरोध किया कि वे ड्राफ्ट सूची में अपने विवरण की जांच कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक सशक्त बनाने में सहयोग करें।

भूना रोड़ टोहाना स्थित एक जूस कोर्नर में जूस की आड़ में सरे-आम चलाया जा रहा है देह व्यापार

नजदिक राजकीय कालेज होने से पड़ौसी नागरिक व दुकानदार परेशान

शहर पुलिस को शिकायत करने पर, जोड़ों को अन्दर बंद कर हो जाता है गायब

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ)। टोहाना की राजकीय इन्दिरा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय भूना रोड़ पर स्थित एक जूस कार्नर की दुकान चलाने वाले एक व्यक्ति से भूना रोड़ के दुकानदार व नागरिक इस क़दर परेशान हैं कि वे युवा पीढ़ी को बर्बाद होते हुए देखने पर बेबस है क्योंकि भूना रोड़ कालेज रोड़ के एक दुकानदार ने नाम न छापने की गुजारिश पर यहां हो रहे घटनाक्रम के बारे में बताया कि इस जूस कोर्नर में उक्त व्यक्ति सीनाजोर व्यक्ति हैं तथा इस पड़ोस के दुकानदारों को भी देख लेने की धमकी देता है। जूस कार्नर के आस-पड़ोस के दुकानदारों ने बताया कि उक्त दुकानदार ने अपनी दुकान में पर्दे वाले केबिन बना रखें हैं तथा दुकान के उपर एक कमरा है तथा पिछे भी एक दरवाजा है जिसकी आड़ में जूस पिलाने की आड़ में युवाओं कोगैर कानूनी तौर तौर पर पनाह देता है स्थानीय जनता का कहना है कि स्थानीय शहर पुलिस को फोन करने पर उक्त व्यक्ति दुकान पर बाहर से ताला लगा कर गायब हो जाता है पडौसी दुकानदारों का कहना है कि पुलिस के आने की सूचना भी कोई खास व्यक्ति ही देता है जिसका फायदा उठा वह दुकान के अंदर ही जोड़ों को बंद कर दुकान पर बाहर से ताला लगा कुछ देर के लिए गियब हो जाता है। स्थानीय लोगों ने कहा कि वे इस दुकान दार की हरकतों से परेशान हो चुके हैं तथा अब अगर पुलिस अधीक्षक महोदय ने इस व्यक्ति के इस गैर कानूनी हरक़त को काबू न करवाया तो भूना रोड़ स्थित दुकानदार सड़कों पर प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

बाबा साहब के महा परिनिर्वाण दिवस पर रक्तदान शिविर आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.फलोदी

बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर के महा परिनिर्वाण दिवस पर 6 दिसम्बर 2025 को मथुरादास माथुर चिकित्सालय जोधपुर में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। मेडिकल कॉलेज के अधीनस्थ सभी अस्पतालों के कार्मिकों द्वारा मथुरादास माथुर चिकित्सालय के सेमिनार हाल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 135 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया है। मुख्यत मथुरादास माथुर चिकित्सालय, महात्मा गांधी चिकित्सालय,? उम्मेद चिकित्सालय जोधपुर, कमला नेहरू वक्ष चिकित्सालय , सेटेलाइट चिकित्सालय पावटा सहित कई अन्य अस्पतालो के कार्मिकों द्वारा रक्तदान शिविर में भाग लिया है। सर्व प्रथम प्रातः बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर के तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर डॉ विकास राजपुरोहित (अधीक्षक, मथुरादास माथुर चिकित्सालय), डा धर्मेन्द्र गुर्जर उपाधीक्षक एवं श्रीमती कंचन रावल नर्सिंग अधीक्षक मथुरादास माथुर चिकित्सालय के साथ विजेन्द्र सिंह मेड़तिया अध्यक्ष राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन जोधपुर ने शिविर का शुभारम्भ किया। मेडिकल कॉलेज जोधपुर के अधीनस्थ अस्पतालों में कार्यरत नर्सिंग ऑफिसर, लेब टेक्नीशियन, रेडियोग्राफर, फार्मासिस्ट, आपथेलमिक असिस्टेंट , कम्प्यूटर ऑपरेटर, डाटा ऑपरेटर, मंत्रालयिक कर्मचारी, सहायक कर्मचारी सहित सभी कार्मिक सक्रियता से रक्तदान शिविर की व्यवस्था में लगे रहे। और सभी की सक्रिय भागीदारी से विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ । अन्य कई विभागों के अनुसूचित जाति जनजाति के अधिकारी कर्मचारी भी रक्तदान करने पहुंचे। ललित चौहान फार्मासिस्ट ने 62 वीं बार जबकि अशोक नवल फार्मासिस्ट ने 30 वीं बार रक्तदान किया। कई रक्तदाताओं ने प्रतिवर्ष रक्तदान करने की अपनी परम्परा को कायम रखते हुए आज भी रक्तदान किया है। प्रमुख रक्तदान करने वालों में डॉ हंसराज (सर्जन राजकीय चिकित्सालय पावटा), डा अक्षय दोचानिया (रेजिडेन्ट मेडिसिन विभाग गांधी अस्पताल), बसन्त रोयल (उपाध्यक्ष अजाक राजस्थान), प्रताप सिंगारिया एवं सांवलराम (नर्सिंग कॉलेज), नरपत चौहान , नरेश नवल, प्रदीप डांगी (ग्राम विकास अधिकारी),, नरेन्द्र प्रजापत, गिरधारीलाल (यूनियन बैंक), तेजाराम परिहार, प्रदीप खामियदा, बाबूलाल मिडल, हमेन्द्र मेघवाल, वीरेंद्र भारती, सुनील कुमार तालनिया, दीपक सोनगरा, किशन दादालिया , किशन गढ़वीर, भूपेन्द्र गर्ग है ओमप्रकाश सोढा (हिंदुस्तान टेंट) ने अपनी पत्नी के साथ रक्तदान किया। स्कूली छात्रा सानिया ने अपने भाइयों के साथ रक्तदान किया। नर्सिंग ऑफिसर पप्पूराम बाल्यान ने ओसियां से आकर रक्तदान किया। उपाधीक्षक डॉ संजीव जी, नर्सिंग अधीक्षक तेजाराम बामणिया, मांगीलाल राठौड़ एवं संतोष निर्मेश, प्रशासनिक अधिकारी जीयाराम बारूपाल, सीनियर नर्सिंग ऑफिसर जीवन पंवार, भवानी शंकर नायक, विदामी बीरट, गीता खींची, बलदेव फार्मासिस्ट बालाराम देवड़ा सहित कई कार्मिकों ने उपस्थित रह कर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। रक्तदाताओं के उत्साह वर्धन के लिए प्रदेश पदाधिकारी एवं वरिष्ठ नेता सुरेन्द्र डांगी ने सभी रक्तदाताओं से मुलाकात की एवं प्रमाणपत्र वितरित किए। राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन के सूर्या चौधरी, चंद्रा चौधरी,प्रेमलता चौधरी, सुरेन्द्र चौधरी, सीमा जोशी, संजय चौधरी,शाह बानो, असमा बानो, विनोद बामनिया , माधुराम प्रियतम चौहान सहित कई पदाधिकारियों ने उपस्थित दी तथा सहयोग किया। ब्लड बैंक के प्रेमाराम ,निहालचंद एवं अश्विन सरगरा ने विशेष सहयोग किया।

सांभर लेक में डॉ. अंबेडकर का 69वां महापरिनिर्वाण दिवस मनाया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सांभर लेक।

संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर का 69वां महापरिनिर्वाण दिवस शनिवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर चेतना समिति द्वारा अंबेडकर भवन में श्रद्धापूर्वक मनाया गया। यह कार्यक्रम समिति अध्यक्ष विनोद दुलारिया की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा साहेब की प्रतिमा पर सभी उपस्थित सदस्यों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य संरक्षक सेवानिवृत्त कॉलेज प्राचार्य कैप्टन डॉ. ज्ञान प्रकाश दायमा, भंते शीलसागर फुलेरा, प्रधानाचार्य रतनलाल मौर्य, और अध्यापिका प्रियंका पिंगोलिया ने उपस्थित लोगों को बाबा साहब के सिद्धांतों और आदर्शों पर चलने का संकल्प दिलवाया। समिति अध्यक्ष विनोद दुलारिया ने आए हुए अतिथियों का स्वागत-सत्कार किया और बाबा साहेब के जीवन तथा योगदान पर प्रकाश डाला। इस श्रद्धांजलि सभा में महासचिव नाथूलाल बेरवाल, कोषाध्यक्ष नंदकिशोर सांभरिया, व्याख्याता जितेंद्र दुलारिया, पूर्व पार्षद नानकराम गनोलिया, सेवानिवृत्त निरीक्षक रवि शंकर सांभरिया, अध्यापक हेमराज मीणा, सहायक खंड विकास अधिकारी लक्ष्मीनारायण बांसीवाल, ताराचंद गहनोलिया, राजेंद्र अटल, दीनदयाल सबलानिया, अमरचंद दायमा, गिरधारी लाल गहनोलिया, दिनेश तंबोली, अरविंद मेहरड़ा, मोहनलाल गर्वा, रामगोपाल देवंदा, कविता वासीवाल, संजू जाजोरिया, पिंकी सांभरिया, नेमीचंद बंसीवाल, डिंपल बासीवाल, विमला वर्मा, ज्योति, रूपाली मौर्य, सुनील कुमार गहनोलिया, गजानंद सांभरिया, भवानी शंकर गनोलिया, प्रहलाद गहनोलिया, कुणाल गहनोलिया, अंश गनोलिया सहित अनेक गणमान्य नागरिकों और सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

भामाशाह ने गांगियासर विद्यालय में किया निर्माण कार्य का लोकार्पण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

गांगियासर के श्री जे जे राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को श्रीकाकुलम आंध्र प्रदेश निवासी प्रवासी भामाशाह मनोज कुमार अग्रवाल, उनकी धर्मपत्नी शशि अग्रवाल व कुशांग, खुशी व रचना अग्रवाल उपस्थित हुए। इस अवसर पर उन्होंने नव विस्तारित कंप्यूटर लैब मय स्मार्ट क्लासरूम व विद्यालय के फ्रंट एलिवेशन कार्य का लोकार्पण किया। प्रधानाचार्य नवीन गढ़वाल ने बताया कि गांगियासर के मूल निवासी व वर्तमान में आंध्र प्रदेश निवासी मुरारी लाल बंका व उनके पुत्र मनोज कुमार अग्रवाल ने विद्यालय में कुछ माह पहले ही मुख्यमंत्री जन सहभागिता योजना में एक कक्षा कक्ष के निर्माण हेतु राशि विद्यालय को भेंट की थी । तथा अभी पुनः इन्हीं भामाशाह द्वारा कंप्यूटर कक्ष मय स्मार्ट क्लास रूम के वीरतारिकरण व फ्रंट एलिवेशन का कार्य लगभग तीन लाख रुपए की लागत से पूर्ण करवाया गया है । शनिवार को भामाशाह द्वारा उक्त कार्य का लोकार्पण किया गया तथा विद्यालय परिवार द्वारा भामाशाहों का अभिनंदन व सत्कार किया गया। विद्यालय को इन भामाशाह का निरंतर सहयोग प्राप्त होता रहा है । इस अवसर पर विद्यालय को कलकत्ता प्रवासी पंकज टिबरेवाल द्वारा भेंट 10 कंप्यूटर का लोकार्पण उनके प्रतिनिधि सलेमुद्दीन द्वारा किया गया । लोकार्पण कार्यक्रम में नरेश कुमार बंका ,जितेंद्र बडगूजर, स्वरूप सिंह शेखावत,लादूराम बड़सर, सुरेश कुमार, सुनील जांगिड़, बशीर खान, इकबाल खान, सिराज खान, अयूब खान, उम्मेद खान सवाई खान व विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा ।

6 दिसम्बर शौर्य दिवस से पहले जिलाध्यक्ष छाया गौतम और रजत शर्मा पर प्रशासन की सख्ती, हाउस अरेस्ट की कार्रवाई

भीम प्रज्ञा मथुरा।

रजत शर्मा । अखिल भारत हिंदू महासभा की जिलाध्यक्ष सुश्री छाया गौतम एवं उनकी टीम द्वारा प्रतिवर्ष 6 दिसम्बर शौर्य दिवस मनाए जाने का कार्यक्रम प्रस्तावित रहता था। संगठन द्वारा दिए गए विवरण के अनुसार जिलाध्यक्ष छाया गौतम तथा कुछ पदाधिकारियों ने यह दावा किया है कि जनपद में स्थित विवादित स्थल से संबंधित मामले में वे लंबे समय से अपनी धार्मिक मान्यताओं के अनुसार गतिविधियां आयोजित करते आ रहे हैं।संगठन का कहना है कि बीते वर्षों में ऐसे आयोजनों के दौरान कई बार प्रशासन

ने एहतियातन उन्हें हिरासत में लिया था। वर्ष 2024 में देहरी पूजन के दौरान भी जिलाध्यक्ष को कुछ समय के लिए न्यायिक हिरासत में रहना पड़ा था – यह जानकारी संगठन द्वारा दी गई है। महासभा के पदाधिकारियों ने बताया कि 30 नवम्बर 2025 से प्रशासन द्वारा छाया गौतम को लगभग पाँच नोटिस दिए गए हैं। संगठन का यह भी कहना है कि 5 दिसम्बर की शाम से जिलाध्यक्ष छाया गौतम, रजत शर्मा तथा अन्य पदाधिकारियों पर गृह नज़रबंदी (हाउस अरेस्ट) जैसी नियंत्रित कार्रवाई लागू की गई है, ताकि 6 दिसम्बर को होने वाली संभावित भीड़ या कार्यक्रमों में किसी भी प्रकार की कानून-व्यवस्था संबंधी स्थिति न उत्पन्न हो। अखिल भारत हिंदू महासभा ने प्रशासनिक कार्रवाई पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि वे अपने कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से मनाना चाहते थे और भविष्य में भी कानून के दायरे में रहकर अपनी धार्मिक गतिविधियों को आगे बढ़ाते रहेंगे। प्रशासन की ओर से शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु आवश्यक कदम उठाए जाने की सूचना प्राप्त हुई है।

माता रमा बाई संस्था द्वारा डॉ. अंबेडकर का 69वां महापरिनिर्वाण दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी का 69वां महापरिनिर्वाण दिवस आज़ाद नगर रेवाड़ी स्थित माता रमा बाई सामाजिक उत्थान संस्था द्वारा श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संस्था के सदस्यों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके जीवन एवं कार्यों पर केंद्रित एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के प्रधान इंजीनियर बुधराम पंवार ने की, जबकि मंच का संचालन प्रेस सचिव श्री बहादुर सिंह ने किया। विचार गोष्ठी में कई विशिष्ट वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने प्रमुख रूप से डॉ. अम्बेडकर जी के महान सामाजिक संघर्ष, संविधान निर्माण में उनके अद्वितीय योगदान, और समाज सुधार के प्रति उनके समर्पण पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला।

गोष्ठी में अपने विचार रखने वाले प्रमुख वक्ताओं में नारायण सिंह तंवर, महीपाल सिंह, ईश्वर सिंह, महेश दत्त, सत्यवीर चौधरी, रामपाल मेहरा, अभय सिंह दहिनवाल, जगदीश चंद्र दहींवाल, और सूरत सिंह (एडवोकेट) शामिल रहे।

संस्था गतिविधियों की सराहना

कार्यक्रम के अंत में, अध्यक्ष इंजीनियर बुधराम पंवार ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में संस्था की वर्तमान गतिविधियों और सामाजिक कर्तव्यों के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने सभी वक्ताओं के विचारों की सराहना की। इंजी. पंवार ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों, सदस्यगणों और विशेष रूप से महिला शक्ति का हार्दिक धन्यवाद व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन किया।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान पर टोहाना के वार्ड 12में वार्डवासियों ने ली शपथ

कार्यक्रम में पूजा जांगड़ा ने उपस्थित जनसमूह को बाल विवाह न करवाने की शपथ दिलवाई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । महिला और बाल विकास विभाग द्वारा 6 नवंबर 2025 को बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत वार्ड 12 में जागरूकता कैंप रखा गया जिसके अध्यक्षता सुपरवाइजर पूजा जांगड़ा द्वारा की गई। उन्होंने महिलाओं को बताया कि बाल विवाह दंडनीय अपराध है इसमें करने और कराने वाले दोनों ही दोषी होते हैं। उन्होंने महिलाओं को बताया कि 18 वर्ष से कम उम्र की लड़की और 21 साल से कम उम्र के लड़के को नाबालिक माना जाता है। इस उम्र में शादी बाल विवाह ही होती है ।सुपरवाइजर द्वारा महिलाओं को बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के बारे में बताते हुए कहा गया कि बाल विवाह एक गैर जमानती अपराध है। ऐसा कोई भी व्यक्ति जो बाल विवाह करवाता है उसको बढ़ावा देता है उसे 2 साल की सजा तथा एक लाख का जुर्माना हो सकता है। उन्होंने महिलाओं को समझाया कि की बाल विवाह से बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ता है और इससे सिर्फ लड़की व लड़का ही नहीं प्रभावित होते बल्कि पूरा परिवार ही इससे प्रभावित होता है। बाल विवाह के परिणाम स्वरूप बच्चों की शिक्षा तथा आर्थिक सशक्तिकरण के अवसर समाप्त हो जाते हैं तथा मातृत्व मृत्यु दर में बढ़ोतरी होती है साथ ही बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने महिलाओं को बाल विवाह होने पर जानकारी प्रदान करने का आग्रह किया । कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को बाल विवाह न करने तथा इसकी जानकारी सरकार तक पहुंचाने के लिए उन्हें शपथ भी दिलाई गई। इस दौरान सुपरवाइजर द्वारा महिला हेल्पलाइन नंबर 181 तथा आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली नंबर 112 के बारे में भी बताया। इस दौरान परमी नेहा सुशीला संतोष आंगनबाड़ी वर्कर मौजूद रहीं।

क्विंटन डी कॉक का 'विराट' रिकॉर्ड, सचिन-रोहित के क्लब में शामिल, भारत के खिलाफ जड़ा 7वां शतक

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीकी विकेटकीपर-बल्लेबाज़ क्विंटन डी कॉक ने अपने 13,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे कर लिए हैं और इस विशिष्ट क्लब में शामिल होने वाले अपने देश के सातवें खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने विशाखापत्तनम में भारत के खिलाफ खेले जा रहे तीसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। ??इस अनुभवी विकेटकीपर ने भारत के खिलाफ अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और पहले दो मैचों में दो कम स्कोर से उबरते हुए प्रोटियाज़ के लिए अपना 23वाँ एकदिवसीय शतक जड़ा। उन्होंने 89 गेंदों में आठ चौकों और छह छक्कों की मदद से 119.10 के स्ट्राइक रेट से 106 रन बनाए।

दक्षिण अफ्रीका के लिए अब तक 311 अंतरराष्ट्रीय मैचों में, डी कॉक ने 40.24 की औसत और 93.71 के स्ट्राइक रेट से 13,088 रन बनाए हैं, जिसमें 347 पारियों में 30 शतक और 70 अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 178 रहा है। इस शतक के साथ, वनडे में उनके अर्धशतक से शतक तक पहुँचने की दर बढ़कर 41.81 प्रतिशत हो गई है, जो भारतीय वनडे के उस्ताद विराट कोहली (41.40 प्रतिशत) से ज़्यादा है। डी कॉक ने वनडे में 55 अर्धशतक लगाए हैं, जिनमें से 23 शतकों में बदले हैं।

इसके अलावा, उन्होंने 23-23 शतकों के साथ, एक विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में संयुक्त रूप से सर्वाधिक शतक लगाने के मामले में श्रीलंका के दिग्गज कुमार संगकारा की बराबरी कर ली है। डी कॉक ने एक अन्य श्रीलंकाई दिग्गज सनथ जयसूर्या के साथ एकदिवसीय क्रिकेट में भारत के खिलाफ संयुक्त रूप से सर्वाधिक शतक लगाने के मामले में बराबरी कर ली है। उन्होंने केवल 23 पारियों में भारत के खिलाफ अपना सातवां शतक पूरा किया है, जबकि जयसूर्या ने 85 पारियों में ये सात शतक लगाए थे। भारत के खिलाफ 23 एकदिवसीय मैचों में, क्विंटन ने 51.78 की औसत और 93 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 1,191 रन बनाए हैं, जिसमें सात शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 135 है। भारत में अपने सातवें शतक के साथ, डी कॉक विदेशी धरती पर सर्वाधिक वनडे शतक लगाने के मामले में सचिन तेंदुलकर (यूएई में सात शतक), पाकिस्तान के सईद अनवर (यूएई में सात शतक), एबी डिविलियर्स (भारत में सात शतक) और रोहित शर्मा (इंग्लैंड में सात शतक) की श्रेणी में शामिल हो गए हैं।

अर्जुन तेंदुलकर ने किया वह कारनामा, जो सचिन तेंदुलकर टी20 में कभी नहीं कर पाए

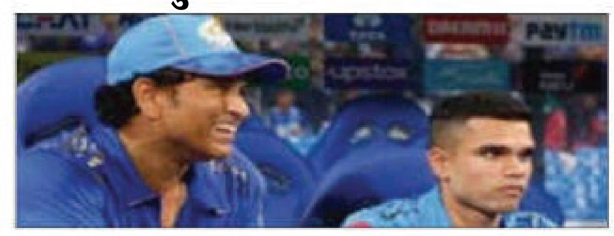

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट लेजेंड सचिन तेंदुलकर के बेटे और युवा ऑलराउंडर अर्जुन तेंदुलकर ने घरेलू क्रिकेट में ऐसा कमाल कर दिखाया है, जो उनके पिता भले ही क्रिकेट के भगवान माने जाते हों, लेकिन अपने टी20 करियर में कभी नहीं कर सके। मुंबई इंडियंस की ओर से आईपीएल खेल चुके अर्जुन को आगामी मिनी ऑक्शन से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने ट्रेड कर लिया है। फिलहाल वे सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में गोवा की ओर से खेल रहे हैं और शानदार प्रदर्शन कर चर्चा में छाए हुए हैं। 26 वर्षीय अर्जुन तेंदुलकर इस बार टूर्नामेंट में गोवा के लिए ओपनर की नई जिम्मेदारी निभा रहे हैं और साथ ही पारी की शुरुआत नई गेंद के साथ गेंदबाजी से भी कर रहे हैं। मध्य प्रदेश के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने चार ओवर में 36 रन देकर तीन विकेट चटकाए और बल्लेबाजी में 10 गेंदों पर 16 रन भी जोड़े। मौजूदा सीज़न में अब तक उनके प्रदर्शन में पांच मैचों में 70 रन और आठ विकेट शामिल हैं, जो उनकी ऑलराउंड क्षमता को साबित करने के लिए पर्याप्त हैं।

यह उपलब्धि सचिन तेंदुलकर के टी20 करियर से तुलना में बेहद खास है। सचिन ने भले ही टी20 मैचों में ओपनिंग बल्लेबाज की भूमिका निभाई हो, लेकिन उन्होंने कभी ओपनिंग बॉलिंग नहीं की। मास्टर ब्लास्टर ने अपने पूरे टी20 करियर में 96 मैच खेले, जिनमें उन्होंने सिर्फ 93 गेंदें फेंकी और कुल दो विकेट हासिल किए। इसके मुकाबले अर्जुन टी20 में नियमित रूप से नई गेंद संभाल रहे हैं और अब तक 29 मैचों में 35 विकेट झटक चुके हैं। इस अंतर को देखकर यह साफ झलकता है कि अर्जुन ने मैदान पर अपने पिता से अलग पहचान बनाने का रास्ता चुना है।

अर्जुन 2022/23 सीज़न से पहले मुंबई की टीम छोड़कर गोवा की ओर से खेलने लगे थे। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में अपने करियर की शुरुआत शानदार शतक के साथ की थी और वर्तमान में गोवा के लिए तीनों फॉर्मेट में खेल रहे हैं। उनके फर्स्ट क्लास करियर में 22 मैचों में 48 विकेट और 620 रन शामिल हैं, जिनमें एक शतक और दो अर्धशतक भी हैं। लिस्ट ए क्रिकेट में 18 मैचों में 25 विकेट और 102 रन उनके नाम हैं। दूसरी ओर, सचिन तेंदुलकर ने भारत के लिए केवल एक टी20 इंटरनेशनल मैच 2006 में खेला था, जबकि आईपीएल 2010 में 618 रन बनाकर ऑरेंज कैप जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने थे। आज अर्जुन तेंदुलकर की प्रगति और लगातार बेहतर होते प्रदर्शन ने उन्हें देश के सबसे चर्चित युवा ऑलराउंडरों में शामिल कर दिया है, और क्रिकेट विशेषज्ञ उन्हें भविष्य का बड़ा सितारा मान रहे हैं।

भारत ने 20 वनडे टॉस हारने के बाद साउथ अफ्रीका के खिलाफ जीता टॉस

-खत्म हुआ 751 दिन का सूखा, लगातार 20 हार के बाद जीता टॉस

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ विशाखापत्तनम वनडे में लंबे इंतजार के बाद टॉस जीतकर फैंस को राहत दी। नए कप्तान केएल राहुल की अगुवाई में टीम ने आखिरकार 20 मैचों तक लगातार टॉस हारने का सिलसिला तोड़ दिया। भारत ने टॉस जीतने के बाद गेंदबाजी का फैसला किया, जिससे कप्तान को अपनी रणनीति अनुसार खेल शुरू करने का मौका मिला।

इससे पहले रांची और रायपुर में भारत को टॉस जीतने में सफलता नहीं मिली थी। शुभमन गिल के बाहर होने के बाद भी टॉस का रुख टीम के पक्ष में नहीं था। रांची में टॉस हारने के बाद रायपुर के मुकाबले में भी यही कहानी दोहराई गई, जिससे फैंस निराश हुए थे। लेकिन विशाखापत्तनम में आखिरकार भारतीय टीम को वह खुशी मिली जिसका इंतजार था।

केएल राहुल के टॉस जीतने के पीछे एक दिलचस्प कहानी भी सामने आई है। उन्होंने शुरुआती दो मैचों में टॉस के लिए सिक्का बाएं हाथ से उछाला था, लेकिन इस मैच में दाएं हाथ से कोइन फ्लिक किया। इसके साथ ही टीम के मेंटोर हर्षित राणा ने फिंगर क्रॉस करके खड़े होकर शुभकामना दी कि टॉस भारत के पक्ष में जाए। इस छोटे-छोटे टोटकों का असर पड़ा और भारत ने टॉस जीतकर अपनी रणनीति पर काम करने का अवसर पाया।

फीफा विश्व कप 2026: फुटबॉल का महाकुंभ 11 जून से

-इस बार 48 टीमों के साथ होगा सबसे बड़ा टूर्नामेंट

- कुल 104 मुकाबले होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के सबसे बड़े फुटबॉल महोत्सव फीफा विश्व कप 2026 का आगाज़ 11 जून से होने जा रहा है। इस बार टूर्नामेंट में कई मायनों में ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिलेंगे, जिनमें सबसे बड़ा बदलाव टीमों की संख्या का 32 से बढ़कर 48 होना है। इसके साथ ही मैचों की संख्या भी बढ़कर 104 हो गई है, जबकि पिछले संस्करण 2022 कतर विश्व कप में 64 मुकाबले खेले गए थे। 2026 फीफा वर्ल्ड कप अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में संयुक्त रूप से आयोजित होगा और फाइनल मुकाबला न्यूयॉर्क के मेटलाइफ स्टेडियम में खेला जाएगा। वॉशिंगटन डीसी के कैनेडी सेंटर में फीफा विश्व कप ड्रॉ का आयोजन किया गया, जहां 12 ग्रुप में टीमों का विभाजन तय किया गया। ड्रॉ कार्यक्रम के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी मौजूद रहे और उन्हें फीफा पीस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच मैक्सिको और साउथ अफ्रीका के बीच प्रतिष्ठित एस्टाडियो अज्टेका स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां दुनिया ने पहले भी कई ऐतिहासिक मैचों का गवाह देखा है। ड्रॉ के परिणामों के अनुसार, मौजूदा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना अपने अभियान की शुरुआत अल्जीरिया के खिलाफ करेगी। दोनों टीमों को ग्रुप 'जे' में रखा गया है, जहां उनके साथ ऑस्ट्रिया और जॉर्डन भी मुकाबला करेंगी। अर्जेंटीना को इस बार का ग्रुप अपेक्षाकृत आसान माना जा रहा है, और यही स्थिति दो अन्य दावेदार टीमों स्पेन और इंग्लैंड के लिए भी है। वहीं फ्रांस को चुनौतीपूर्ण ग्रुप मिला है, जहां फुटबॉल जगत के दो सबसे बड़े सुपरस्टार किलियन एमबापे (फ्रांस) और एर्लिंग हालैंड (नॉर्वे) होंगे।

यूरोपीय चैंपियन स्पेन ग्रुप 'एच' में केप वर्डे के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। टूर्नामेंट में 16 नई टीमों को जोड़ा गया है, जिससे फुटबॉल के वैश्विक विस्तार का स्पष्ट संकेत मिलता है और छोटे फुटबॉल देशों को विश्व मंच पर अपनी क्षमता दिखाने का मौका मिलेगा। अधिकांश मुकाबले अमेरिका में खेले जाएंगे, जहां विशाल दर्शक क्षमता वाले स्टेडियमों में रोमांच का माहौल देखने को मिलेगा। फीफा विश्व कप 2026 सिर्फ फुटबॉल का उत्सव नहीं, बल्कि दुनिया भर के खेल प्रेमियों के लिए भावना, जुनून और उम्मीदों का संगम बनने जा रहा है। अब निगाहें इस पर होंगी कि 19 जुलाई को कौन सी टीम विश्व फुटबॉल की नई चैंपियन बनकर उभरती है।

विश्व कप के सभी 12 ग्रुप

ग्रुप ए : मेक्सिको, साउथ अफ्रीका, साउथ कोरिया, यूईएफए प्लेऑफ डी

ग्रुप बी : कनाडा, यूईएफए प्लेऑफ ए, कतर, स्विट्जरलैंड

ग्रुप सी : ब्राजील, मोरक्को, हैती, स्कॉटलैंड

ग्रुप डी : यूएसए, पैराग्वे, ऑस्ट्रेलिया, यूईएफए प्लेऑफ सी

ग्रुप ई : जर्मनी, कुराओ, आइवरी कोस्ट, इक्वाडोर

ग्रुप एफ : नीदरलैंड, जापान, यूईएफए प्लेऑफ बी, ट्यूनीशिया

ग्रुप जी : बेल्जियम, मिस्र, ईरान, न्यूजीलैंड

ग्रुप एच : स्पेन, केप वर्डे, सऊदी अरब, उरुग्वे

ग्रुप आई : फ्रांस, सेनेगल, फीफा प्लेऑफ 2, नॉर्वे

ग्रुप जे : अर्जेंटीना, अल्जीरिया, ऑस्ट्रिया, जॉर्डन

ग्रुप के : पुर्तगाल, फीफा प्लेऑफ 1, उज्बेकिस्तान, कोलंबिया

ग्रुप एल : इंग्लैंड, क्रोएशिया, घाना, पनामा

भारत ने आयरलैंड को 4-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की

सैंटियागो (चिली)। भारत ने जूनियर विमेंस वर्ल्ड कप 2025 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शुक्रवार को अपने आखिरी पूल सी मुकाबले में आयरलैंड को 4-0 से हराकर मजबूत जीत दर्ज की। सैंटियागो के एस्टाडियो नेशनल के सेंट्रो डेपोर्टिवो डे हॉकी सेस्पेड में खेले गए इस मैच में भारतीय टीम शुरुआत से ही आक्रामक मूड में दिखाई दी। मैच की शुरुआत मात्र 12 सेकंड बाद ही भारत ने पहला पेनाल्टी कॉर्नर अर्जित किया, हालांकि इसे गोल में तब्दील नहीं किया जा सका। इसके बावजूद टीम इंडिया ने निरंतर दबाव बनाए रखा और आयरलैंड की डिफेंस लाइन को बैकफुट पर रखा। 10वें मिनट में भारत को दूसरा पेनाल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन एक बार फिर गोल करने का मौका हाथ से निकल गया। हालांकि 12वें मिनट में भारतीय टीम ने वह हासिल की जिसका इंतज़ार था।

चोट के बाद वापसी को तैयार रियान पराग, बोले- फिर से टीम इंडिया की जर्सी पहनूंगा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा ऑलराउंडर रियान पराग ने वनडे और टी20 टीम से बाहर होने को लेकर खुलकर बात की है। पराग ने स्वीकार किया कि टीम से बाहर होना उनके लिए बड़ा झटका था, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी हार नहीं मानी और लगातार अपने खेल को बेहतर करने में लगे रहे। हाल ही में कंधे की चोट से पूरी तरह फिट होने के बाद पराग का विश्वास है कि यदि उन्हें घरेलू क्रिकेट में लगातार मौके मिले, तो वह दोबारा टीम इंडिया में जगह बनाने में सफल होंगे। रियान पराग ने पिछले साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा था। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल में डेब्यू किया था और इसके बाद श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भी उन्हें टीम में चुना गया था। वनडे डेब्यू में पराग ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट लिए थे, लेकिन बल्लेबाजी में वह केवल 15 रन ही बना पाए, जिसके चलते उन पर सवाल उठे। हालांकि, पराग का मानना है कि फॉर्म के कारण नहीं बल्कि चोट की वजह से वह टीम से बाहर हुए। एक अंग्रेजी अखबार से बातचीत में उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मैंने भारत के लिए ठीक-ठाक प्रदर्शन किया था। आप इसे मेरा विश्वास कह सकते हैं या ओवरकॉन्फिडेंस, लेकिन सच यही है कि मेरी कंधे की चोट ने मुझे पीछे धकेला। अगर मैं चोटिल नहीं होता तो मुझे यकीन है कि मैं दोनों व्हाइट-बॉल फॉर्मेट में खेल सकता था। जब भी मैं पूरी तरह फिट हो जाऊंगा, आप मुझे दोबारा भारत की जर्सी में देखेंगे।'

ऑस्ट्रेलिया की 177 रनों की बड़ी बढ़त, इंग्लैंड की ठोस शुरुआत, डकेट-क्रॉली का धैर्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेन डकेट और जैक क्रॉली ने लचीलापन दिखाया और दोनों छोर संभालते हुए ब्रिस्बेन में खेले जा रहे डे-नाइट एशेज टेस्ट के तीसरे दिन डिनर तक इंग्लैंड को बिना किसी नुकसान के 45 रन पर पहुँचा दिया। ऑस्ट्रेलिया इससे पहले 511 रनों पर ढेर हो गया था और उसे 177 रनों की विशाल बढ़त हासिल हो गई थी। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट (13*) और जैक क्रॉली (26*) डिनर तक नाबाद रहे और उन्होंने एक ठोस साझेदारी की। इंग्लैंड ने केवल छह ओवरों में 45 रन बनाकर इस घाटे को पूरा कर लिया। मिशेल स्टार्क ने शानदार 77 रनों की पारी खेली और वह दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष स्कोरर रहे।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे सत्र की शुरुआत 99 ओवरों में 450/8 के स्कोर पर की और 116 रनों की बढ़त हासिल कर ली। स्टार्क (46*) और स्कॉट बोलैंड (7*) क्रीज पर नाबाद थे। स्टार्क ने दूसरे सत्र के पहले ही ओवर में विल जैक्स की गेंद पर मिडविकेट की ओर चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। इस अर्धशतक के साथ, स्टार्क उन चुनिंदा खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए जिन्होंने डे-नाइट टेस्ट मैच में 50 या उससे अधिक रन बनाए और पाँच विकेट लिए।

वह दिलरुवान परेरा और जेसन होल्डर की सूची में शामिल हो गए। स्टार्क अब टेस्ट मैचों में नौवें नंबर के बल्लेबाज के तौर पर सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। इस ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज खिलाड़ी ने 64 टेस्ट मैचों की 77 पारियों में 22.34 की औसत से 1,408 रन बनाए हैं, जिसमें आठ अर्धशतक और 99 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। स्टार्क ने इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड को पीछे छोड़ दिया है।

109वें ओवर में स्टार्क ने गस एटकिंसन को आउट किया और उनके ओवर में दो चौके जड़कर स्कोर 150 के पार पहुंचाया। 111वें ओवर में ब्रायडन कार्से ने आखिरकार स्टार्क को आउट कर दिया और 141 गेंदों पर 77 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद ब्रेंडन डोगेट भी बोलंड के साथ क्रीज पर आए। जैक ने 117वें ओवर में डोगेट को 13 रन पर आउट करके ऑस्ट्रेलियाई पारी का रुख मोड़ दिया। बोलैंड और डोगेट ने आखिरी विकेट के लिए 20 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया को 117.3 ओवर में 511 रन तक पहुँचाया। इससे पहले, शनिवार को गाबा में इंग्लैंड के खिलाफ चल रहे दूसरे एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा कायम रहा और उसने तीसरे दिन चायकाल तक 99 ओवर में 8 विकेट पर 450 रन बनाकर 116 रनों की बढ़त बना ली।

हरभजन को विराट, रोहित के एकदिवसीय विश्वकप तक खेलने की उम्मीद

शारजाह। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा ने अगले विश्वकप में खेलने की इच्छा जाहिर की है। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समित ने अभी तक इसको लेकर कोई जवाब नहीं दिया है। इसी पर तंज कसते हुए दिग्गज स्पिनर स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि कि रोहित और विराट जैसे स्टार खिलाड़ियों का भविष्य ऐसे लोग तय कर रहे हैं जिन्होंने अपने करियर में कोई विशेष उपलब्धि नहीं हासिल नहीं हैं हालांकि हरजन को उम्मीद है कि यह जोड़ी साल 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप तक खेलती रहेगी। रोहित 38 वर्ष के हैं और विराट कोहली 37 वर्ष के तथा यह दोनों अब केवल एकदिवसीय प्रारूप में ही खेलते हैं। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने अभी तक इनके विश्वकप में खेलने को लेकर कुछ नहीं कहा है।

शादी टलने के बाद स्मृति मंधाना का पहला पोस्ट वायरल, आवाज में बदलाव सुनकर फैंस हुए चिंतित

नई दिल्ली (ईएमएस)। म्यूजिक कंपोज़र पलाश मुच्छल और भारतीय क्रिकेटर स्मृति मंधाना की शादी 23 नवंबर को होने वाली थी, लेकिन समारोह से ठीक पहले अचानक स्थिति बदल गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शादी से कुछ दिनों पहले ही स्मृति के पिता की तबीयत काफी बिगड़ गई, जिसके बाद दोनों परिवारों ने यह निर्णय लिया कि शादी को आगे बढ़ाया जाए। इस अप्रत्याशित घटनाक्रम के बाद सोशल मीडिया पर तरह-तरह की अफवाहें फैलने लगीं कि शायद दोनों के रिश्ते में कोई तनाव है, लेकिन आधिकारिक तौर पर ऐसा कुछ भी पुष्टि नहीं की गई। लगातार चर्चाओं और अटकलों के बीच अब स्मृति मंधाना ने 11 दिन बाद सोशल मीडिया पर अपनी पहली पोस्ट साझा की है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक टूथपेस्ट ब्रांड का विज्ञापन वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे अपने अनुभवों और खेल में आने वाले भावनात्मक पलों के बारे में बात करती दिखाई देती हैं। वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा 'जीत के पल, ईमानदार बातचीत और वे अनुष्ठान जो खेल का पूरा समीकरण बदल देते हैं।' पोस्ट सामने आते ही फैंस ने न सिर्फ वीडियो पर प्रतिक्रिया दी, बल्कि उनकी आवाज़ में आए बदलाव को लेकर भी चिंता जताई। कई प्रशंसकों ने कमेंट सेक्शन में लिखा कि उनकी आवाज भारी लग रही है और ऐसा महसूस होता है जैसे वे किसी भावनात्मक दौर से गुजर रही हों। एक यूजर ने पूछा 'आवाज को क्या हो गया? आप ठीक तो हैं?' वहीं एक अन्य ने लिखा 'लगता है बहुत रोई हैं, आवाज बदल गई है।' एक टिप्पणी में कहा गया 'आपकी आवाज बहुत कुछ कह रही है, उम्मीद है आप ठीक होंगी।' इन प्रतिक्रियाओं से साफ झलकता है कि उनके समर्थक उनकी मानसिक और भावनात्मक स्थिति को लेकर काफी चिंतित हैं। साथ ही कुछ फैंस ने यह भी नोटिस किया कि वीडियो के दौरान स्मृति के हाथ में इंगेजमेंट रिंग दिखाई नहीं दी। इससे एक नया सवाल उठा कि वे अंगूठी क्यों नहीं पहन रही हैं। एक फैन ने लिखा 'मुस्कान में दर्द नजर आ रहा है, और रिंग नहीं दिख रही।' हालांकि इस पर स्मृति या उनके परिवार की ओर से अब तक कोई बयान सामने नहीं आया है। फैंस लगातार उन्हें मजबूत बने रहने, खुद का ख्याल रखने और नकारात्मक खबरों से दूरी बनाने की सलाह दे रहे हैं। शादी टलने के बाद आया यह पहला पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है और चर्चा का विषय बना हुआ है।

जर्मनी के खिलाफ गलतियों की कोई गुंजाइश नहीं होगी : जूनियर हॉकी कोच श्रीजेश

चेन्नई (एजेंसी)। खिताब से दो जीत दूर भारतीय टीम को जर्मनी के खिलाफ जूनियर हॉकी विश्व कप सेमीफाइनल से पहले मुख्य कोच पी आर श्रीजेश से एक ही सलाह मिली है कि अभी काम पूरा नहीं हुआ है और अपने पैर जमीन पर रखने हैं। भारत ने आखिरी मिनट में गोल गंवाने के बाद शूटआउट तक खिंचे क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम को 4-3 से हराया लेकिन दो बार के ओलंपिक पदक विजेता रहे कोच श्रीजेश का कहना है कि सात बार की चैम्पियन जर्मनी के खिलाफ इस तरह की गलतियों की कोई गुंजाइश नहीं रहेगी।

उन्होंने कहा, 'बेल्जियम के खिलाफ पहले 45 मिनट एक गोल से पीछे रहना और फर आखिरी एक मिनट में उन्हें बराबरी का गोल करने का मौका देना, यह मुझे अच्छा नहीं लग रहा था। आखिरी मिनट में गोल गंवाना, शूटआउट इससे बचना चाहिए।' भारत के महान गोलकीपर रहे श्रीजेश ने कहा, 'अच्छे मूव को फाइनल टच देना जरूरी है। हम लगातार आक्रमण कर रहे थे और मौके बना रहे थे। सर्कल के भीतर गेंद का नियंत्रण नहीं खोना चाहिए। कठिन टीमों के खिलाफ गोल करने के मौके ज्यादा नहीं मिलते हैं और जो भी मौके मिले, उन्हें भुनाना होगा।'

यह पूछने पर कि लीग चरण में आसान चुनौतियों से क्या क्वार्टर फाइनल में दबाव अधिक रहा, श्रीजेश ने कहा, 'लीग दौर के मैच सभी के लिए लगभग बराबर होते हैं। कुछ टीमों को एक कठिन मैच मिल जाता है लेकिन हमने अपनी टीम का स्तर ऊंचा रखने की कोशिश की और उन्हें चुनौतियां दी कि इतने गोल से जीतना है। लेकिन नॉकआउट चरण में दबाव अलग होता है।'

भारत ने राउंड रॉबिन चरण में 29 गोल किए और एक भी नहीं गंवाया था। कोच ने आगे कहा, 'क्वार्टर फाइनल से ज्यादा दबाव अब सेमीफाइनल में होगा। क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रेलिया जैसी टीम क्वालीफाई नहीं कर सकी। हम किसी टीम को हलके में नहीं ले सकते। जर्मन टीम पूरी तैयारी के साथ उतरेगी लिहाजा हमे अपने खेल में सुधार करना होगा।' उन्होंने यह भी बताया कि अपने युवा खिलाड़ियों को बेहतरीन मैच जीतने के बाद उन्होंने समझाया कि काम अभी पूरा नहीं हुआ है और आत्ममुग्धता से बचना जरूरी है।

उन्होंने कहा, 'मैने टीम से यही कहा कि पैर जमीन पर रखने हैं और अब फोकस अगले मैच पर करना है। सबसे अहम बात यह है कि अच्छे प्रदर्शन की बजाय गलतियों पर ध्यान दें। डी के भीतर की गई गलतियों को दूर करना होगा।' उन्होंने कहा, 'ये खिलाड़ी सिर्फ जूनियर विश्व कप खेलने के लिये नहीं है, इन्हें आगे भारतीय टीम में खेलना है और इस दबाव का सामना करना आना ही चाहिए। आगे ओलंपिक, एशियाई खेल, विश्व कप, राष्ट्रमंडल खेल सब खेलना है। अभी शुरूआती कदम है और यहां अच्छा खेलने पर आगे की राह आसान हो जाएगी।'

अंपायर से बहस पर फखर जमान पर 10फीसदी मैच फीस का जुर्माना

दुबई। पाकिस्तान के बैटर फखर जमान पर इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई 29 नवंबर को श्रीलंका के खिलाफ खेले गए ट्राई-सीरीज फाइनल मुकाबले में आचार संहिता उल्लंघन के मामले में की गई। जमान को आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल-1 आर्टिकल 2.8 के उल्लंघन का दोषी पाया गया, जो खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ द्वारा अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति व्यक्त करने से संबंधित है। यह घटना पाकिस्तान की पारी के 19वें ओवर में हुई, जब फखर जमान ऑन-फील्ड अंपायर के फैसले से असहमत नजर आए और मैदान पर अंपायरों के साथ लंबी बहस में शामिल हो गए। विवाद उस समय शुरू हुआ जब एक निर्णय के चलते उन्हें अपना विकेट गंवाना पड़ा। इस दौरान उनका व्यवहार मैच अधिकारियों की दृष्टि में खेल भावना के विरुद्ध माना गया, जिसके बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की गई। आईसीसी ने फखर जमान के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ा है। यह पिछले 24 महीनों में उनके लिए पहला डिमेरिट पॉइंट है। नियमों के अनुसार लेवल-1 के उल्लंघन में अधिकतम 50 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना और एक या दो डिमेरिट पॉइंट लगाए जा सकते हैं, जबकि न्यूनतम सज़ा चेतावनी होती है।

आलिया-प्रियंका और कटरीना की 'जी ले जरा' पर फरहान ने दी बड़ी अपडेट

अब से लगभग चार साल पहले साल 2021 में फरहान अख्तर ने एक नई फिल्म की घोषणा की थी। 'दिल चाहता है' के बाद फरहान ने आलिया भट्ट, प्रियंका चोपड़ा और कटरीना कैफ को लेकर 'जी ले जरा' की अनाउंसमेंट की थी। इसे एक ट्रैवल-ड्रामा फिल्म बताया गया था। लेकिन बाद में फिल्म को लेकर कोई अपडेट सामने नहीं आया और फिल्म टल गई। अब फरहान अख्तर ने इस फिल्म को लेकर बड़ी अपडेट दी है। जिसने फैंस को फिर से उत्साहित कर दिया है।

जल्द शुरू होगा फिल्म पर काम

डेक्कन क्रॉनिकल के साथ हालिया बातचीत में फरहान ने 'जी ले जरा' को लेकर स्पष्ट किया कि फिल्म पर काम जल्द ही फिरसे शुरू होगा। निर्देशक ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो कलाकारों की तारीखें पाने की कोशिश करना दर्दनाक था। लेकिन हमने सब सुलझा लिया है। हम जल्द ही शुरू करेंगे। फरहान के इस स्पष्टिकरण के बाद अब फैंस आलिया, प्रियंका और कटरीना को साथ देखने के लिए उत्साहित हैं।

एक समय ठंडे बस्ते में जाने वाली थी 'जी ले जरा'

पिछले दिनों यूट्यूब चैनल अनफिल्टर्ड विद समदीश के साथ बातचीत के दौरान फरहान ने ही ये बताया था कि एक वक्त 'जी ले जरा' ठंडे बस्ते में जाने के करीब पहुंच गई थी। फरहान ने बताया था कि अभिनेत्रियों की डेट्स को लेकर काफी मशक्कत करनी पड़ रही थी। इसके चलते शूटिंग में देरी होती चली गई। जबकि 'जी ले जरा' की वजह से ही फरहान ने अपने एक्टिंग प्रोजेक्ट्स को भी होल्ड पर रखा था। नतीजन एक वक्त ऐसा आया जब मेकर्स फिल्म को बंद करना चाहते थे। लेकिन फिलहाल अब फरहान ने नई अपडेट में ये साफ किया है इस फिल्म पर काम जल्द ही फिरसे शुरू होगा।

मां बन चुकी हैं फिल्म की तीनों हीरोइन

हालांकि, फिल्म की घोषणा के बाद से काफी कुछ बदल गया है। प्रियंका के अलावा अब फिल्म की बाकी दोनों हीरोइन आलिया भट्ट और कटरीना कैफ भी मां बन चुकी हैं। कटरीना ने इसी साल बेटे को जन्म दिया है। वहीं आलिया और प्रियंका अपने आगामी प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं।

इक्कीस से डेब्यू करेंगी अक्षय की भांजी सिमर भाटिया

साल 2025 की शुरुआत में शनाया कपूर, अमान देवगन, इब्राहिम अली खान, राशा थडानी और अहान पांडे समेत कई स्टारकिड्स ने बड़े पर्दे पर डेब्यू किया। इनमें से कुछ हिट हुए, तो कुछ आते ही फ्लॉप हो गए। अब साल के लास्ट में यानी दिसंबर में भी दो स्टार्स बड़े पर्दे के जरिए अपने फिल्मी करियर की शुरुआत करने वाले हैं। इनमें से एक अमिताभ बच्चन के नाती और श्वेता बच्चन के बेटे अगस्त्य नंदा है और दूसरी सिमर भाटिया। सिमर भाटिया बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय की भांजी हैं और फिल्म इक्कीस से डेब्यू कर रही हैं।

फिल्म इक्कीस से करेंगी डेब्यू

फिल्म इक्कीस से अब सिमर भाटिया का पोस्टर जारी हो गया है। इस पोस्टर को शेयर करते हुए खिलाड़ी कुमार ने अपनी भतीजी के लिए एक स्पेशल नोट लिखा है, जो श्रीराम राघवन द्वारा निर्देशित फिल्म से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने जा रही हैं।

अक्षय कुमार ने पोस्ट किया साझा

खिलाड़ी कुमार ने इंस्टाग्राम पर सिमर के पोस्टर को साझा करते हुए लंबा-चौड़ा कैप्शन लिखा है। उन्होंने लिखा- तुम्हें एक नन्हीं बच्ची की तरह गोद में उठाने से लेकर आज तुम्हें फिल्मों की दुनिया में कदम रखते हुए देखने तकज सच में जिंदगी पूरा चक्रपूरा कर चुकी है। सिमर, मैंने तुम्हें उस शर्मीली सी बच्ची से एक आत्मविश्वासी युवती बनते देखा है, जो अपनी मां के पीछे छुप जाया करती थी और आज कैमरे के सामने ऐसे खड़ी होती है मानो उसी के लिए पैदा हुई हो। अक्षय ने आगे लिखा- सफर मुश्किल जरूर है, लेकिन तुम्हें जानता हूं, तुम उसी चमक, उसी सच्चाई और उसी जिद्दी हौसले के साथ आगे बढ़ोगी- जो हमारे भाटिया परिवार की पहचान है। हमारा सिद्धांत हमेशा से सिंपल रहा है- काम करो, दिल से करो, और फिर ब्रह्मांड का जादू खुद होता देखते रहो। मुझे तुम पर बहुत गर्व है, बेटाज दुनिया अब सिमर भाटिया से मिलने वाली है, लेकिन मेरे लिए तुम हमेशा से एक सितारा रही हो। जाओ, चमको! जय महादेव।

सिमर भाटिया कौन हैं?

सिमर भाटिया अक्षय कुमार की बहन अलका भाटिया की बेटी हैं। फिल्म निर्माता अलका ने 1997 में वैभव कपूर से शादी की और उनकी पहली संतान सिमर का जन्म हुआ। हालांकि, बाद में दोनों अलग हो गए। 2012 में अलका ने रियल एस्टेट टाइकून सुरेंद्र हीरानंदानी से शादी की।

एक फिल्म क्या फ्लॉप हुई? सब पीछे पड़ गए..., आमिर ने अनाउंस की अगली फिल्म हैप्पी पटेल

आमिर खान प्रोडक्शंस की अगली फिल्म का एलान हो गया है। मिस्टर परफेक्शनिस्ट इस बार एक जासूसी फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम है हैप्पी पटेल- खतरनाक जासूस। एक मजेदार अनाउंसमेंट वीडियो के साथ फिल्म का एलान किया गया है। इस फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी वीर दास के कंधों पर है। इसमें वे लीड रोल भी अदा करेंगे। उनके साथ मोना सिंह नजर आएंगी।

आमिर खान ने एडवांस में दिया फैंस को न्यू ईयर गिफ्ट

आमिर खान ने अपने फैंस को न्यू ईयर का गिफ्ट एडवांस में दे दिया है। दरअसल, उनकी यह फिल्म जनवरी में रिलीज होने वाली है। आमिर खान प्रोडक्शंस के इंस्टाग्राम अकाउंट से अनाउंसमेंट वीडियो शेयर किया गया है। इसके साथ कैप्शन लिखा है, क्या बनाया से क्या बनाया तक कॉमेडी, एक्शन, रोमांस और कुछ जासूसी चीजों के वाइल्ड राइड के लिए तैयार हो जाइए। हैप्पी पटेल- खतरनाक जासूस। फिल्म की रिलीज डेट का एलान भी कर दिया गया है। यह फिल्म 16 जनवरी, 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म के जरिए वीर दास निर्देशन में डेब्यू कर रहे हैं। इस फिल्म का टाइटल जितना मजेदार है, उतना ही मजेदार इसका अनाउंसमेंट वीडियो है। इसमें वीर दास और आमिर खान नजर आ रहे हैं। वीडियो में आमिर खान, वीर दास से पूछते दिखे हैं कि आखिर वो फिल्म में एक्शन, रोमांस और यहां तक कि आइटम नंबर को किस अंदाज में दिखाने वाले हैं? आमिर को लगातार यह चिंता सताती दिखती है कि दर्शक इस सब पर कैसी प्रतिक्रिया देंगे, जबकि उसी समय वीडियो में दूसरे लोग फिल्म की जमकर तारीफ करते नजर आते हैं। उनकी बातचीत का यह मजेदार कंट्रास्ट पूरे अनाउंसमेंट वीडियो को मजेदार बना देता है।

वीर दास ने उड़ाया लाल सिंह चड्ढा के फ्लॉप होने का मजाक!

आमिर खान वीडियो में वीर दास से फिल्म को लेकर बात करते हैं। वीर दास जो भी बातें बताते हैं आमिर उन पर संदेह जताते जाते हैं और फिल्म फ्लॉप होने का डर उन्हें सताता है। इस पर वीर दास कहते हैं, लाल सिंह चड्ढा भी तो फ्लॉप हुई थी, जिस पर आमिर नाराज होकर वीर दास की पिटाई करने लगते हैं। मगर, थोड़ी ही देर में फिल्म की स्क्रीनिंग से लौटे दर्शक इसकी जमकर तारीफ करते हैं। इसके बाद आमिर खान खुद क्रेडिट लेते हुए वीर दास को गले लगा लेते हैं। वीडियो में यह हिंट भी मिला है कि वीर दास का फिल्म में आइटम नंबर भी है।

अब बॉलिवुड और मुंबई भाने लगा है

दक्षिण की तकरीबन सभी भाषाओं में काम कर चुकीं साउथ की जानी-मानी अभिनेत्री प्रियामणि आज बॉलिवुड में भी फेमस हो चुकी हैं। जवान, आर्टिकल 370 जैसी कई हिंदी फिल्मों में नजर आईं प्रियामणि के लिए ओटीटी गेम चेंजर साबित हुआ है। वेब सीरीज फैमिली मैन के तीनों सीजन में उनके सुचि के किरदार को काफी लोकप्रियता मिली। प्रियामणि ने अपने करियर की शुरुआत भले साउथ से की हो, मगर एक लंबे अरसे से उन्हें हिंदी दर्शक पसंद करने लगे हैं। बेंगलुरु से ताल्लुक रखने वाली प्रियामणि को अब मुंबई रास आने लगा है। मुंबई और बॉलिवुड में काम करने के अपने अनुभव के बारे में वे कहती हैं, आठ साल हो गए हैं मुझे मुंबई में शिफ्ट हुए, मगर अब मुझे मुंबई थोड़ा-थोड़ा पसंद आने लगा है, मगर बेंगलुरु की बात ही कुछ और है, जाहिर है, मैं वहीं पली-बढ़ी हूं। मगर मैं कह सकती हूं कि मुझे यहां का खाना अच्छा लग रहा है, मौसम भा रहा है। लोग अच्छे हैं। वर्क स्पेस की बात की जाए, तो साउथ और बॉलिवुड में दोनों जगह काफी हद तक एक जैसा ही है, मगर यहां टाइमिंग को लेकर थोड़ा-सा काम देरी से होता है। साउथ में हम जल्दी काम शुरू करते हैं। साउथ में हर इंडस्ट्री में 12 घंटे काम होता है। मलयालम में हम ज्यादातर 9 टू 9 शिफ्ट में काम करते हैं। कई बार शिफ्ट इससे ज्यादा भी एक्स्टेंड हो जाती है, ये निर्भर करता है कि कितना काम है।

कृति सेनन की बहन नूपुर अगले महीने करेंगी डेस्टिनेशन मैरिज

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन की बहन नूपुर सेनन की शादी की खबरें सामने आ रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, नूपुर सेनन ने सिंगर स्टेबिन बेन के साथ 8-9 जनवरी 2026 को फेयरमोंट पैलेस में उदयपुर में भव्य शादी की तैयारी कर ली है। मेहंदी-संगीत के साथ, यह शादी बेहद निजी और स्टारडम से भरपूर होगी। 8 जनवरी को मेहंदी और संगीत होगा, जबकि 9 जनवरी को मुख्य शादी की रस्में होंगी। नूपुर की शादी में परिवार, करीबी दोस्त और बॉलीवुड म्यूजिक इंडस्ट्री के कुछ बड़े नाम शामिल होंगे। कृति सेनन और उनके दोस्तों के आने की भी पूरी उम्मीद है। नूपुर पिछले कुछ साल से म्यूजिक वीडियो में नजर आ रही हैं। अब वह जल्द ही बॉलीवुड फिल्म में डेब्यू करने वाली हैं।

कौन हैं स्टेबिन बेन

स्टेबिन बेन एक भारतीय गायक और प्लेबैक सिंगर हैं। उन्होंने साहिबा, थोड़ा थोड़ा प्यार, और रूला के गया इश्क जैसे कई हिट गाने गाए हैं। वह एक बहुमुखी कलाकार हैं जिन्होंने बॉलीवुड के कई संगीतकारों और अभिनेताओं के साथ काम किया है।

रणवीर सिंह का दर्जा बहुत ऊंचा है, वह जितने उम्दा एक्टर हैं, उतने ही अच्छे इंसान भी

नमित दास उन एक्टर्स में से हैं, जिन्होंने थिएटर, टीवी, फिल्मों और ओटीटी, चारों मोर्चे पर अपनी छाप छोड़ी है। फिर चाहे किरदार भले ही छोटा हो, नमित अपने अभिनय से उसे यादगार बनाने का हुनर जानते हैं। वेक अप सिड से लेकर सुई धागा और रॉकी और रानी की प्रेम कहानी जैसी फिल्मों में सहयोगी भूमिकाओं में उनकी खूब तारीफ हुई। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी मिनी वेब सीरीज हमारा विनायक को लेकर, जिसमें वह लीड रोल में हैं। स्टार्ट अप की दुनिया और आस्था के मेल को दिखाती इस मिनी सीरीज के बारे में नमित ने खास बातचीत की है। इसके साथ ही उन्होंने रणवीर सिंह के साथ काम करने के अपने अनुभव को शेयर किया है। वह कहते हैं कि रणवीर जितने बेहतरीन एक्टर हैं, उतने ही अच्छे इंसान भी।

नमित दास अपनी सीरीज को लेकर कहते हैं, आस्था और विश्वास का हमारे जीवन में अहम स्थान है। वक्त कितना भी बदल जाए, उस सर्वशक्तिमान के अस्तित्व से इनकार नहीं किया जा सकता। बस होता यह है कि अक्सर हम ईश्वर को बहुत ऊंचे दर्जे पर रख देते हैं, उन्हें पूज्यनीय बना देते हैं, मगर यह शो दिखाता है कि असल में वह हमारे इर्द-गिर्द ही हैं, हमारे दोस्त की तरह हमें दिशा दिखाते हैं और यह चीज मुझे बहुत पसंद आई।

ओवररेटेड होने से बेहतर है अंडररेटेड होना

अपनी पहली फिल्म वेक अप सिड में ही रणबीर कपूर के दोस्त ऋषि के रूप में यादगार भूमिका करने वाले नमित के अभिनय का फलक बेशक थिएटर, ओटीटी, टीवी हर जगह फैला हो, मगर फिल्मों में वह ज्यादार हीरो के दोस्त या रिश्तेदार के रूप में ही दिखे है। क्या उन्हें लगता है कि इंडस्ट्री ने उनके टैलंट के साथ न्याय नहीं किया और उन्हें एक छवि में बांध दिया है? इस पर नमित कहते हैं, पहले तो मुझे इस बात की खुशी है कि आपको लगता है कि मुझे और बेहतर रोल मिलने चाहिए थे, क्योंकि एक अंडररेटेड एक्टर होना एक ओवररेटेड एक्टर होने से हमेशा बेहतर है। असल में, हम एक्टर्स की जर्नी खुद के हाथ में नहीं होती पर मैं ऐसा इंसान हूं कि मेरे पास जो भी मौका आता है, उसका पूरा फायदा उठाता हूं तो मुझे किसी चीज का मलाल नहीं है। नमित ने आगे कहा, मैं ऐसे नहीं सोचता कि मुझे इंडस्ट्री ने यही रोल दिए। मेरी सोच ये रहती है कि जो मिले उसका पूरा फायदा उठाओ तो मुझे अपनी जर्नी पर गर्व है, मगर साथ ही मैं आगे भी बढ़ना चाहता हूं। मेरा सफर खत्म नहीं हुआ है। अब भी बहुत कुछ करने को बचा है। ऐसा नहीं है कि मैं 70 या 80 साल का हो गया हूं, करियर के आखिरी फेज में हूं। खुशकिस्मती से मैंने बहुत कम उम्र में एक्टिंग शुरू की थी तो मेरे पास काफी वक्त है और मेरा जो काम आने वाला है।

हर किरदार को पर्दे पर जिंदा कर देते हैं रणवीर

नमित ने अपने करियर में रणबीर कपूर से लेकर रणवीर सिंह जैसे एक्टर्स और मीरा नायर से लेकर करण जौहर जैसे निर्देशकों के साथ काम किया है। किसके साथ काम करना उनके लिए खास रहा? इस पर वह रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के को-स्टार रणवीर सिंह का नाम लेते हैं। रणवीर की तारीफ करते हुए नमित कहते हैं, रणवीर सिंह बहुत उम्दा एक्टर हैं। वो स्टार भी बहुत बड़े हैं। एक्टर के तौर पर उनका दर्जा बहुत ऊंचा है। मेरी राय में वो जितने अच्छे एक्टर हैं, उतने ही अच्छे इंसान भी हैं। मुझे उनसे प्यार है। वह हर किरदार को ऐसे निभाते हैं जैसे उसे पर्दे पर जिंदा कर देते हैं। उनके साथ काम करके मुझे बहुत मजा आया।

इंडिगो फ्लाइट संकट : ये समय मुश्किल का है, लोग स्टॉफ से प्यार से बात करें : सोनू सूद

चंडीगढ़ (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो में चल रहे संकट का असर चंडीगढ़ और अमृतसर में भी देखने को मिल रहा है। चंडीगढ़ की फ्लाइट्स शनिकार को भी लेट हैं और कई रद्द की जा रही हैं। इसको लेकर अभिनेता सोनू सूद ने एक वीडियो जारी किया है जिसमें उन्होंने कहा कि मेरा खुद का परिवार इस मुश्किल में 4 घंटे फंसा रहा, लेकिन हम इन सब के लिए ग्राउंड स्टाफ को दोषी नहीं ठहरा सकते। उन्होंने कहा कि ये समय मुश्किल जरूर है, लेकिन लोगों को उनसे प्यार से बात करनी चाहिए।

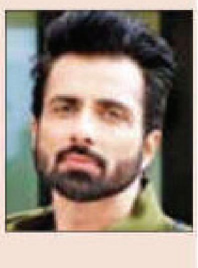

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चंडीगढ़ से एक यात्री ने बताया कि उनकी फ्लाइट शरिवार दोपहर 12.45 की थी, जिसे अब 3.30 पर शेड्यूल कर दिया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें मुंबई किसी जरूरी काम से जाना था, लेकिन फ्लाइट्स देरी से चल रही है। वहीं, नेशनल गेम्स के लिए विशाखापट्टनम जाने को तैयार रोलर स्केटिंग टीम भी परेशान हुई। फ्लाइट कैंसिल होने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यात्री पूरी रात एयरपोर्ट पर ही फंसे रहे। उन्होंने कहा कि न खाने-पीने की व्यवस्था मिली और न ही रहने की। यात्रियों का कहना है कि पहुंचते ही पता चला फ्लाइट कैंसिल है, जबकि पहले कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई थी। बता दें इससे पहले शुक्रवार को दोनों एयरपोर्ट्स पर अफरा-तफरी जैसा माहौल दिखा। चंडीगढ़ में 15 तो अमृतसर में 4 फ्लाइट रद्द कर दी गईं। कुछ उड़ानों ने 1 से लेकर 5 घंटे तक की देरी से लैंडिंग और टेकऑफ किया। कोलकाता से चंडीगढ़ अपनी मां के अंतिम संस्कार में आईं श्रुति भी फंस गई।

500 से अधिक बच्चों के साथ कुकर्म करने के आरोप में क्रिकेट कोच गिरफ्तार

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी पुलिस द्वारा एक क्रिकेट कोच की गिरफ्तारी की है, जिस पर 500 से अधिक बच्चों के साथ कुकर्म करने का आरोप है। मामले में गिरफ्तार व्यक्ति मुरारीलाल उर्फ गौतम (45), क्रिकेट कोच है। कोच पर आरोप हैं कि 2020 से 500 से अधिक बच्चों के साथ कुकर्म करने का दावा किया। एक 14 वर्षीय और एक 15 वर्षीय लड़के के साथ अप्राकृतिक कृत्य करने के आरोप में मुकदमा दर्ज हुआ है। बच्चों को फ्री में क्रिकेट प्रशिक्षण देने और सिलेक्शन दिलाने का झांसा देकर शोषण करता था। वाराणसी की भेलूपुर पुलिस की टीम ने गिरफ्तार किया। जब पुलिस आरोपी को मीडिया के सामने लाई, तो वह घुटने के बल बैठकर रोने लगा। आरोपी ने पुलिस से कहा कि साहब अब हमको जीने की इच्छा नहीं है। पुलिस अधिकारी-एसीपी गौरव कुमार ने गिरफ्तारी की पुष्टि की। यह अपराध पॉक्सो एक्ट (पॉस्को कानून) के तहत एक गंभीर श्रेणी का अपराध है। आरोपी मुरारीलाल 2021 में भी थाना लंका से जेल जा चुका है। उस समय उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 370 के तहत कार्रवाई हुई थी। आरोपी ने 2016 में अपना घर-संपत्ति बेचकर क्रिकेट कोचिंग शुरू की थी। वह सीरगोवर्धन में किराए के कमरे में रहता था और यहीं से विभिन्न ग्राउंड में प्रशिक्षण देता था, जहां भोले-भाले बच्चों को निशाना बनाता था। यह एक अत्यंत गंभीर और संवेदनशील मामला है, जिस पर भेलूपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

हिमाचल प्रदेश के चंबा में महसूस किए गए भूकंप के झटके

चंबा (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के चंबा में बीती रात भूकंप के झटके महसूस हुए। इसकी तीव्रता 3.6 मापी गई। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप जमीन के भीतर 10 किलोमीटर गहराई पर आया। इन झटकों को तीन से चार बार महसूस हुआ। एनसीएस के अनुसार, भूकंप रात 11 बजकर 36 मिनट पर आया। अब तक इससे किसी भी प्रकार के जान और माल के नुकसान की सूचना नहीं है। जिन लोगों ने झटके महसूस किए, वह घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, झटकों की तीव्रता कम होने की वजह से ज्यादातर लोग इन झटकों को महसूस नहीं कर पाए। चंबा जिला भूकंप की दृष्टि से अति संवेदनशील यानी जोन 6 में है। इसलिए यहां बार-बार भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। 14 दिन पहले भी यहां पर रात 12 बजे के बाद भूकंप आया था।

गोल्डी बराड़ ने लॉरेंस बिश्नोई को दी धमकी...क्या पंजाब में बढ़ेगा गैंगवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। गैंगस्टर गोल्डी बराड़ द्वारा जारी एक ऑडियो संदेश में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई पर इंद्रप्रीत पैरी की हत्या करवाने का आरोप लगाकर खुली धमकी दी है। गोल्डी बराड़ ने ऑडियो मैसेज में इंद्रप्रीत पैरी हत्याकांड के संबंध में बात कही गई है। बराड़ ने दावा किया है कि लॉरेंस बिश्नोई ने खुद इंद्रप्रीत पैरी को चंडीगढ़ में एक जगह पर फोन करके बुलाया और फिर मरवा दिया। गैंगस्टार बराड़ ने बताया कि इंद्रप्रीत पैरी ने लॉरेंस बिश्नोई के साथ हुई पूरी बातचीत की रिकॉर्डिंग की थी। लॉरेंस ने विक्की टेले के माध्यम से पैरी से संपर्क किया था, जिसने पैरी से कहा था कि लॉरेंस भाई तुमसे बात करना चाहते हैं। रिकॉर्डिंग से पता चलता है कि जब पुलिस इंद्रप्रीत पैरी को पकड़ नहीं पा रही थी, तब लॉरेंस बिश्नोई ने फोन कर सीधी बात करने का झांसा दिया। लॉरेंस ने पैरी को सेक्टर 10 या 26 जाकर एक लड़के से मिलने को कहा, जो उसे एक फोन देगा जिससे वह लॉरेंस से सीधी बात कर सकता है। लॉरेंस ने फोन पर उससे काफी देर तक हंस-हंसकर बातें कीं और उसे विश्वास में ले लिया। गोल्डी बराड़ के अनुसार, लॉरेंस बिश्नोई ने पैरी को झांसे में लेकर निहत्था बुलाया, और हत्या इस तरह हुई। योजना के मुताबिक इंद्रप्रीत पैरी जब लॉरेंस की बताई जगह पर चंडीगढ़ पहुंचा, तब वहां उस एक लड़का मिला। इसके बाद वह लड़का इंद्रप्रीत पैरी को गाड़ी में बैठाकर कहीं चला गया। गाड़ी में बैठते ही उस लड़के ने पैरी को 5 गोलियां मारीं। गाड़ी से निकलने के बाद भी पैरी पर 2 गोलियां मारी गईं। गोल्डी बराड़ ने लॉरेंस बिश्नोई को अंजाम भुगतने की खुली धमकी देकर गद्दारी करार दिया है। बराड़ ने कहा कि लॉरेंस बिश्नोई ने एक दोस्त को बुलाकर मरवाया है, जो कि दोस्त की पीठ में छुरा घोपने जैसा है। उन्होंने याद दिलाया कि वे सब एक समय भाइयों की तरह थे और 18 सालों तक साथ काम किया। गोल्डी बराड़ ने लॉरेंस बिश्नोई को धमकी देते हुए कहा, लॉरेंस को इसका अंजाम भुगतना पड़ेगा। तेरा भी बुरा हाल होगा। यह ऑडियो मैसेज दोनों गैंगस्टरों के बीच गैंगवार की नौबत पैदा कर रहा है। पुलिस द्वारा तीन मिनट की फोन रिकॉर्डिंग की जांच की जा रही है।

चौरासिया मंदिर में 179 दीपों से हुई बावलिया बाबा की महाआरती, जन्मोत्सव पर उमड़ा भक्तों का सैलाब

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

शहर के परम पूज्य संत परमहंस पंडित गणेश नारायण जी बावलिया बाबा का 179वां जन्मोत्सव पौष बदी एकम, शुक्रवार को धार्मिक श्रद्धा और उल्लास के साथ धूम धाम से मनाया गया। मुख्य बाजार स्थित बाबा की साधना स्थली चौरासिया मंदिर में जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में भव्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मंदिर महंत विनोद चौरासीया ने बावलिया बाबा की आरती कर और उन्हें भोग लगाकर धार्मिक आयोजनों का शुभारंभ किया। जन्मोत्सव समिति के तत्वावधान में मंदिर को विशेष प्रकार के मनमोहक फूलों, गुब्बारों व लाइटिंग से भव्य रूप से सजाया गया, जिससे पूरा मंदिर परिसर अलौकिक दिखाई दे रहा था।

बाबा को विशेष रूप से देशी घी के हलवे, चना व दाल के बड़ों का महाभोग लगाया गया। भोग के पश्चात प्रसाद वितरण प्रारंभ किया गया, जो देर शाम तक जारी रहा। बाबा के दर्शन और प्रसाद ग्रहण करने के लिए बड़ी संख्या में भक्तगण मंदिर पहुंचे। शाम को बावलिया बाबा महिला भक्त मंडल की सदस्यों ने मण्डल संयोजक पूनम चौरासिया की अगुवाई में सुंदर भजन व नृत्य नाटिका कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी, जिसने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। जन्मोत्सव का मुख्य आकर्षण सायं 7:15 बजे 179 दीपों से की गई बाबा की महाआरती रही। महाआरती के बाद केक काटकर बाबा का जन्म दिवस मनाया गया। इस दौरान श्रद्धालु भक्ति भाव में डूबकर बाबा का जयघोष करते रहे। इस शुभ अवसर पर बावलिया बाबा जन्मोत्सव समिति के सदस्य व भक्तगण उपखंड अधिकारी डॉ. नरेश सोनी, ? चिड़ावा नगर पालिका अधिशासी अधिकारी रोहित मिल, ? अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी कैलाश सिंह काविया,औ अशोक हलवाई, मुकेश हलवाई, राजकुमार केडिया, अनुज भगेरिया,सोनू मन्ड्रेलिया, अनिल लांबीवाला, रामकिशन केडिया, संजय दायमा, शुभम मोदी, नरेन्द्र सिंह सहगल, कांति प्रसाद हलवाई, पालिका उपाध्यक्ष अभयसिंह बड़सरा, विक्रम शर्मा, प्रदीप केडिया सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहें।

महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षण संस्थान में संविधान के मुख्य शिल्पकार बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस मनाया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षण संस्थान सीकर में सावित्री बाई फुले महिला महाविद्यालय सीकर एवं आरएचआरडी फाउंडेशन जयपुर जिला-सीकरके संयुक्त तत्वावधान में भारत के संविधान के मुख्य शिल्पकार बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. भीमराव अंबेडकर, महात्मा ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले, व मां शारदे की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ. सुभाष कुंतल, सहायक आचार्य विधि महाविद्यालय सीकर, डॉ. आरसी मीणा,सहायक कुलसचिव पंडित दीनदयाल उपाध्याय, विश्वविद्यालय और डॉ.मुनेश सहायक आचार्य विधि महाविद्यालय सीकर का संस्थान सचिव डॉ.ओपी सैनी ने दुपट्टा ओढ़ाकर व प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मान किया ।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. सुभाष कुंतल ने संबोधित करते हुए बतलाया कि डॉ. भीमराव अंबेडकर जिन्होंने न केवल इतिहास लिखा बल्कि उसको जिया भी, जिन्होंने न केवल संविधान बनाया बल्कि नया संविधान गढ़ा, जिन्होंने न केवल अपने लिए रास्ता बनाया बल्कि लाखों लोगों के लिए मिसाल बने।

डॉ. कुंतल बताया कि भीमराव अंबेडकर ने प्रारूप समिति के अंतिम भाषण में कहा था संविधान चाहे कितना भी उत्तम क्यों ना हो अगर उसे लागू करने वाले लोग अच्छे नहीं होंगे तो संविधान सफल नहीं होगा। उन्होंने एकता, अखंडता, सामाजिक, लोकतंत्र, स्वतंत्रता, समानता, समरसता, बंधुत्वता जैसे शब्दों पर जोर देते हुए सामाजिक चेतना को राष्ट्रीय चेतना की ज्योति बतलाया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ.आर.सी.मीणा जिला अध्यक्ष राजस्थान हुमन रिसोर्स डेवलपमेंट फाऊंडेशन जयपुर ने भीमराव अंबेडकर के मूल विचारों से अवगत कराते हुए सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में इनके अतिरिक्त सावित्रीबाई फुले महिला महाविद्यालय के प्राचार्य , सावित्रीबाई फुले महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्राचार्य व दोनों महाविद्यालय के व्याख्यातागण और सभी छात्राएं उपस्थिति रही।

बाबा साहेब की पुण्यतिथि पर किया स्मरण: बीकानेर कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । जिला कांग्रेस कमेटी बीकानेर (शहर) द्वारा आज भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस (पुण्यतिथि) पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बीकानेर स्थित अंबेडकर सर्किल पर आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में जिला कांग्रेस कमेटी (शहर) के कार्यकर्ता उपस्थित हुए और पुष्पांजलि अर्पित की।जिलाध्यक्ष मदन गोपाल मेघवाल ने इस अवसर पर बाबा साहब के योगदान को याद करते हुए कहा कि, 'बाबा साहब ने केवल दलितों के लिए ही नहीं, बल्कि उन्होंने संविधान के माध्यम से लोकतंत्र की स्थापना कर देश के हर वर्ग को मजबूती दी है।' उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि डॉ. अंबेडकर ने संविधान के जरिए महिलाओं को पुरुषों के बराबर दर्जा दिलाने का ऐतिहासिक कार्य किया। ओबीसी मोर्चा शहर अध्यक्ष

उमा सुथार ने भी बाबा साहब को याद करते हुए कहा कि, 'बाबा साहब ने संविधान लिखा और देश के हर नागरिक को जीने के अधिकार के बारे में बताया। पुष्पांजलि कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता और कार्यकर्ताओं का जमावड़ा रहा। प्रमुख रूप से वरिष्ठ कांग्रेसी नेता कन्नू कल्ला, हजारी मल देवड़ा, आनन्द सिंह सोढा सहित पार्षद शहजाद और मनोज नायक उपस्थित रहे। इनके अलावा, तोलाराम सियाग, राहुल जादूसंगत, भीखाराम मेघवाल, नितिन वत्सल, नित्यानंद पारीक, रामनाथ आचार्य, शर्मीला पंचारिया, शशिकला राठौड़, आशा स्वामी, सिंवरी चौधरी, मनोज चौधरी, निरमा मेघवाल, विजय सिंह शेखावत, हंसराज बिश्नोई, जोगेन्दर जोईया, मिर्जा हेदर बेग, अब्दुल रहमान लोदरा, मनोज गहलोत, एड. संजय गोयल, मगनलाल पंवार, कमल साध, कमल गोयल, हेमंत किराडू, रईस अली, सलीना, राजपाल अहलावत, अकरम अली, अजय गौड, मुकेश जोशी, मुबारक अली, श्रवन रामावत और गोपीराम बिश्नोई सहित अन्य कांग्रेसजन मौजूद रहे।

भारत रत्न डॉ अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

स्थानीय अंबेडकर भवन में संविधान शिल्पी भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर को महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यह जानकारी देते हुए अंबेडकर विचार मंच के तहसील अध्यक्ष भागीरथ फदनपुरा ने बताया कि इस अवसर पर दलितों की दशा व दिशा पर एक संगोष्ठी हुई । जिसमें प्रमुख वक्ता मंच के जिला अध्यक्ष अर्जुनलाल वर्मा, पूर्व जिला अध्यक्ष हरफूल सिंह, एडवोकेट सज्जन हापास, पूर्व सरपंच नरेश मंडीवाल, शिक्षाविद्रामचंद्र कसवाली, इंजीनियर प्रशांत वर्मा, डॉ. विमलेश रोलन, बाबूलाल तंवर , पार्षद प्यारेलाल मेघवाल व बीएसएफ के सेवानिवृत कमांडेंट बीरबल सिंह डूडवा रहे। संगोष्ठी का संचालन गणेश चौहान ने किया जबकि बाबूलाल तंवर ने आभार जताया। कार्यक्रम के अंत में मंच के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरलाल सिंह महरिया के अनुज व सेवानिवृत प्रधानाध्यापक रामचंद्र महरिया के सुपुत्र विजेंद्र महरिया, समाजसेवी कामरेड विद्याधर नारसरा तथा मंच के वरिष्ठ कार्यकर्ता सरपंच मोहनलाल मलडादू के असामायिक निधन होने पर दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई ।

'मिट्टी की बात - बच्चों के साथ': पारवा गांव में 'सॉइल वीक' के तहत ज्ञानवर्धक कार्यक्रम आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पारवा/बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । बीकानेर जिले की कस्बा ग्राम पंचायत पारवा स्थित राजकीय विद्यालय में शनिवार, 6 दिसंबर 2025 को, 'सॉइल वीक' के अवसर पर अंबुजा फाउंडेशन की 'बेहतर कपास परियोजना' के अंतर्गत 'मिट्टी की बात - बच्चों के साथ' नामक एक विशेष और ज्ञानवर्धक कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कक्षा 10वीं से 12वीं तक के लगभग 80 से 100 विद्यार्थियों को मिट्टी के महत्व और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। सत्र के दौरान, छात्रों को मिट्टी का महत्व, मिट्टी में मौजूद आवश्यक पोषक तत्व, और वैज्ञानिक तरीके से मिट्टी की उर्वरता समझने के लिए मिट्टी परीक्षण के लाभों पर विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में, एफएफ पन्नाराम भांबू ने छात्रों को वैज्ञानिक खेती, जैविक खाद के उपयोग और मिट्टी संरक्षण की तकनीकों पर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया, और बताया कि कैसे सतत कृषि पद्धतियों को अपनाकर मिट्टी को उपजाऊ बनाए रखा जा सकता है। अंत में, एफएफ महावीर जालप ने सभी उपस्थित विद्यार्थियों को मिट्टी बचाने, अधिक से अधिक पेड़ लगाने और जागरूक खेती करने का संकल्प दिलवाया, और उनसे कृषि तथा पर्यावरण के क्षेत्र में बदलाव के वाहक बनने का आग्रह किया। यह कार्यक्रम उत्साहपूर्ण, ज्ञानवर्धक रहा और युवा मन में जागरूकता की एक नई भावना जगाने में सफल रहा।

नोखा में बाबासाहेब को श्रद्धांजलि: 'शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो' पर ज़ोर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नोखा।

सोहनलाल परिहार । शनिवार, 6 दिसंबर 2025 को, शहीद कालूराम मेघवाल सेवा समिति, नोखा में ज्ञान के प्रतीक भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस अत्यंत श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। समिति के सदस्यों और गणमान्य व्यक्तियों ने बाबा साहेब की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और नमन किया। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने डॉ. अम्बेडकर के जीवन संघर्ष और उनके महान संदेशों पर प्रकाश डाला। शिक्षक धन्नाराम पटीर ने विशेष रूप से युवाओं को बाबा साहेब के प्रसिद्ध नारों 'शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो' पर अमल करते हुए जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। शंकरलाल मेहरड़ा (पूर्व सरपंच, मुकाम) ने डॉ. अम्बेडकर जी के जीवन संघर्ष और उनके राष्ट्र निर्माण में अमूल्य योगदान पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। इस अवसर पर मांगीलाल मेहरड़ा, आसुराम तालणिया (रायसर), मनीराम बिरट (सरपंच प्रतिनिधि, माडिया), गंगाराम चौहान (उड़सर), युवा गोपाल बारूपाल, मनफूल पटीर, बीरबल राम सीला सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों और अनुयायियों ने बाबा साहेब को नमन किया और उन्हें याद किया।

उपभोक्ताओं को जागरूक करने के लिए 'उपभोक्ता भारत यात्रा: बीकानेर में अखिल राजस्थान उपभोक्ता संगठन महासंघ की बैठक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । अखिल राजस्थान उपभोक्ता संगठन महासंघ की बीकानेर जिला शाखा कार्यालय में शनिवार, 6 दिसंबर 2025 को, महासंघ की प्रदेश कार्यकारिणी द्वारा एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक महासंघ के राष्ट्रव्यापी अभियान 'उपभोक्ता भारत यात्रा' के सफल आयोजन और उसमें भागीदारी को लेकर विचार-विमर्श करने के लिए बुलाई गई थी। महासंघ के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनन्त शर्मा के नेतृत्व में होने वाली इस यात्रा की विस्तृत जानकारी प्रदेश अध्यक्ष योगेश पालीवाल ने दी। उन्होंने बताया कि 'उपभोक्ता भारत यात्रा' 24 दिसंबर 2025 को दिल्ली से रवाना होगी और 15 मार्च 2026 को कश्मीर से दिल्ली पहुँचकर समाप्त होगी। यह यात्रा उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागृत करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान है, जिसका मुख्य उद्देश्य पूरे भारत में उपभोक्ता आंदोलन का संदेश फैलाना है। बैठक में यात्रा की तैयारियों और उसमें अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के संबंध में गहन विचार विमर्श किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन जिला अध्यक्ष धनसुख आचार्य ने किया। बैठक में प्रदेश कार्यकारिणी के प्रमुख सदस्य जैसे प्रदेश सचिव नरसिंह दास व्यास और मुमताज शेख, प्रदेश संयुक्त सचिव निर्मला जी चौहान, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सीमा

रामपुरिया, जिला अध्यक्ष धनसुख आचार्य, तथा उपभोक्ता संरक्षण एवं सुरक्षा समिति के सदस्य श्रीपाल रामपुरिया और सोनू रामपुरिया शामिल हुए। सभी उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से 'उपभोक्ता भारत यात्रा' में शामिल होने का आह्वान किया, ताकि यह संदेश पूरे देश के उपभोक्ता कार्यकर्ताओं तक पहुँच सके और उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए एक मजबूत राष्ट्रीय आंदोलन खड़ा किया जा सकें।

इंडिगो की 1000 से अधिक उड़ानें रद्द, रेलवे ने 4.89 लाख यात्रियों को दी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने शुक्रवार को एक साथ 1,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दीं, जिससे पूरे देश में हवाई यातायात ठप्प हो गया। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, पुणे, अहमदाबाद समेत सभी बड़े हवाई अड्डों पर हजारों यात्री फंस गए। गुस्साए यात्रियों ने काउंटरों पर हंगामा किया। सामान को लेकर झगड़े हुए और कई जगह स्टाफ से बदसलूकी की खबरें आईं। दूसरी एयरलाइंस के टिकटों के दाम रातोंरात कई गुना बढ़ गए। इस संकट की सबसे बड़ी मार दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पड़ी, जहां एक दिन में सभी 235 घरेलू उड़ानें रद्द कर दी गईं। हालांकि रेलवे ने 4.89 लाख यात्रियों को दी बड़ी राहत दी है।

इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने वीडियो संदेश में इसे सिस्टम रीबूट करार दिया और कहा कि यह कदम ऑपरेशन को फिर से पटरी पर लाने के लिए जरूरी था। उन्होंने दावा किया कि शनिवार से रद्द उड़ानों की संख्या 1000 से काफी कम रहेगी और 10-15 दिसंबर तक स्थिति पूरी तरह सामान्य हो जाएगी। कंपनी ने उड़ान रद्द होने की वजह पायलटों की कमी, खराब मौसम, तकनीकी खराबी और नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिट (एफडीटीएल) नियमों को बताया। खासकर नवंबर से लागू एफडीटीएल के दूसरे चरण में रात की ड्यूटी पर सख्ती बढ़ने से इंडिगो की तैयारी उजागर हो गई। पायलट यूनियनों का आरोप है कि कंपनी लंबे समय से जानबूझकर कम स्टाफ रख रही थी, जिसका खामियाजा अब यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है।

हवाई अड्डों पर अफरा-तफरी का आलम यह था कि पुणे में 16 आगमन और 16 प्रस्थान, अहमदाबाद में 86 और मध्य प्रदेश के विभिन्न हवाई अड्डों पर 85 से अधिक उड़ानें रद्द हुईं। इंडिगो ने माफी मांगी और वादा किया कि सभी रद्द टिकटों का पूरा रिफंड मूल भुगतान माध्यम से होगा। साथ ही 5 से 15 दिसंबर तक की बुकिंग पर कैंसिलेशन या तारीख बदलने पर कोई चार्ज नहीं लिया जाएगा। प्रभावित यात्रियों के लिए होटल और सड़क परिवहन की व्यवस्था भी की जा रही है। लेकिन ज्यादातर यात्री शिकायत कर रहे हैं कि ये सिर्फ कागजी घोषणाएं हैं, जमीन पर कोई राहत नहीं मिल रही। इस बीच डीजीसीए ने इंडिगो को रात्रि ड्यूटी नियमों से 10 फरवरी 2026 तक अस्थायी छूट दे दी है, लेकिन साप्ताहिक 48 घंटे अनिवार्य आराम के नियम में कोई रियायत नहीं दी गई है। संकट बढ़ता देख हवाई यात्री बड़ी संख्या में भारतीय रेलवे की शरण में पहुंचे। रेलवे ने तुरंत संवेदनशीलता दिखाई और महज कुछ घंटों में 37 महत्वपूर्ण ट्रेनों में 116 अतिरिक्त कोच जोड़ दिए। इससे 114 अतिरिक्त ट्रिप्स संचालित हो सकेंगी। प्रत्येक ट्रिप में करीब 4,000 यात्रियों को जगह मिलेगी, जिससे कुल मिलाकर लगभग 4.89 लाख यात्रियों को राहत मिलेगी। यह विशेष व्यवस्था 6 दिसंबर से ही शुरू कर दी गई है। एक बार फिर संकट की घड़ी में भारतीय रेलवे ने साबित किया कि जरूरत पड़ने पर वह सबसे भरोसेमंद विकल्प बनी रहती है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com